सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" किसी के लिए समर्पण करना मुश्किल नहीं है मुश्किल है उस व्यक्ति को ढूंढना जो आप के समर्पण की कद्र करे !...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–290 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 10 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

त्योहार पर यात्रियों को झटका : IRCTC की वेबसाइट और ऐप फेल, घंटों तक टिकट बुकिंग ठप, यात्री हुए परेशान



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

दीपावली-छठ जैसे बड़े त्योहारों पर जब लोग अपने घर जाने के लिए टिकट बुक करने में लगे थे, तभी IRCTC का सर्वर फेल हो गया। वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर अचानक लिंक फेल होने से हजारों यात्री घंटों तक परेशान होते रहे।

जानकारी के अनुसार, रविवार रात से ही IRCTC की वेबसाइट धीमी चल रही थी। सोमवार सुबह पीक आवर्स में स्थिति और बिगड़ गई। जैसे ही यूजर्स लॉग-इन कर टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे थे, स्क्रीन पर "Unable to process request", "Service Unavailable" और "Link Failure" जैसे एरर मैसेज आने लगे। कई यात्रियों का पेमेंट कट गया, लेकिन टिकट कन्फर्म नहीं हुआ।

तत्काल टिकट के लिए सबसे ज्यादा मारामारी

त्योहार के कारण ट्रेनों में पहले से ही वेटिंग चल रही है। ऐसे में तत्काल टिकट बुक करने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। दुर्ग, रायपुर, भिलाई स्टेशन के साइबर कैफे और घरों में लोग सुबह 10 बजे से ही सिस्टम पर बैठे रहे, लेकिन IRCTC पोर्टल खुला ही नहीं।

एक यात्री ने बताया – "दुर्ग से पटना जाना है, 3 दिन से ट्राई कर रहा हूं। आज पैसा कटा, टिकट फेल बता रहा है। अब रिफंड के लिए भी इंतजार करना पड़ेगा।"

रेलवे का पक्ष

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, त्योहार के चलते एक साथ लाखों यूजर्स के लॉग-इन करने से सर्वर पर अत्यधिक लोड आ गया है। तकनीकी टीम इसे ठीक करने में लगी है। जल्द ही सेवा बहाल कर दी जाएगी। यात्रियों से अपील है कि वे कुछ देर बाद पुनः प्रयास करें। जिनके पैसे कटे हैं, उनका पैसा 3 से 5 दिन में वापस खाते में आ जाएगा।

इधर, IRCTC फेल होने का फायदा उठाकर दलाल और ट्रैवल एजेंटों ने मनमाना किराया वसूलना शुरू कर दिया है। बसों और निजी गाड़ियों में यात्रियों से दोगुना किराया लिया जा रहा है। रेल यात्रियों ने मांग की है कि त्योहार जैसे पीक सीजन में IRCTC को अपना सर्वर अपग्रेड करना चाहिए, ताकि आम जनता को परेशानी न हो।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते 4 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। थाना सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर ताशपती से रुपयों का दांव लगाकर जुआ खेलते 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7,100 नगद, 52 ताशपती और 2 मोबाइल सहित कुल 16,100 की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सार्वजनिक स्थान दुर्ग में कुछ व्यक्ति ताशपती से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर 4 लोगों को पकड़ा। आरोपियों में सूरज सोनी (20 वर्ष) निवासी भाटापारा बघेरा, अरविन्द कुमार निर्मलकर 26 वर्ष, दीपक साहू 34 वर्ष और सौरभ राजपूत 25 वर्ष निवासी इंदिरा नगर बघेरा के रूप में हुई है। थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 0655/2026, धारा 3(2) छग जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

दीपावली पर पीएम मोदी का सरप्राइज दौरा

अचानक रायपुर पहुंचे, सीधे बस्तर में जवानों संग मनाई दिवाली, प्रशासन में मचा हड़कंप



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जगदलपुर



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ दौरा इस बार अपने अलग और अप्रत्याशित अंदाज को लेकर सुर्खियों में है। दीपावली के मौके पर पीएम मोदी अचानक रायपुर पहुंचे और बिना किसी औपचारिक स्वागत के सीधे बस्तर के लिए रवाना हो गए। उनके इस गोपनीय दौरे से प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई।

सामान्य तौर पर प्रधानमंत्री के आगमन से कई दिन पहले प्रोटोकॉल, सुरक्षा और स्वागत की तैयारियां शुरू हो जाती हैं, लेकिन इस बार एयरपोर्ट पर ऐसी कोई चहल-पहल नहीं दिखी। सूत्रों के अनुसार, कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को पीएम के रायपुर आगमन की स्पष्ट जानकारी पहले से नहीं थी। कई अधिकारी पीएम के आने और बस्तर रवाना होने की जानकारी जुटाते ही रह गए। हालांकि, प्रोटोकॉल को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

जवानों के बीच दीपावली, शौर्य को किया नमन

पीएम मोदी ने बस्तर पहुंचकर सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए जवानों के साहस, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। पीएम ने कहा कि जवानों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण अतुलनीय है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने बस्तर में आ रहे बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बस्तर कभी नक्सलवाद से प्रभावित था, लेकिन अब यहां विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। यह परिवर्तन सुरक्षा बलों के त्याग और बलिदान के कारण ही संभव हो पाया है।

15 दिन में बस्तर में दो शीर्ष हस्तियां

बस्तर के लिए यह गौरव का क्षण है कि 15 दिनों के भीतर देश की दो शीर्ष संवैधानिक हस्तियों ने यहां का दौरा किया। इससे पहले 25 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बस्तर दशहरा में शामिल होने जगदलपुर आई थीं। उनका दौरा बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित था, तो वहीं पीएम मोदी का दौरा सुरक्षा और राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा।

बदल रहा है बस्तर

लंबे समय तक नक्सली हिंसा के लिए चर्चित रहा बस्तर अब शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहे हैं। पीएम मोदी का हर साल जवानों के साथ दीपावली मनाने का क्रम इस बार बस्तर के नाम रहा, जिसने जवानों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही बस्तर को राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया है।



काले कारोबार के सरगना दीपक टंडन के कारनामों की परत-दर-परत खुल रही पोल, वसूली, ब्लैकमेलिंग और फर्जी अफसर बनकर ठगी का बड़ा सिंडिकेट उजागर



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी के बहुचर्चित दीपक टंडन मामले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार के समय सीएम हाउस का रसूख दिखाकर वसूली और कोल माइंस में काम दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले टंडन के काले कारोबार की परतें अब धीरे-धीरे खुलने लगी हैं। मामले में दो कारोबारियों ने बिलासपुर पुलिस से लिखित शिकायत की है। कारोबारी श्याम सिंह ठाकुर ने 31 लाख और विकास कुमार नागले ने 25 लाख रुपये वसूले जाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, दीपक टंडन सीएम हाउस के अधिकारियों के नाम पर पैसे वसूलता था और कोल माइंस में काम दिलाने का झांसा देता था।

फर्जी IAS और कोल माइंस MD बनकर जाल

आरोप है कि टंडन कई कारोबारियों को फर्जी IAS अधिकारी और कोल माइंस का MD बनाकर मिलवाता था। इसका पूरा सिंडिकेट वह वेलकम श्री होटल से संचालित करता था। इस सिंडिकेट में कई पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और तथाकथित पत्रकारों के भी शामिल होने की बात सामने आ रही है।

पैसे मांगने पर पिटाई और वीडियो, पत्नी को बनाता था हथियार

पीड़ितों का आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर टंडन उन्हें होटल में बुलवाकर अपने गुर्गों से पिटवाता था और वीडियो बनाता था। वह अपनी पत्नी को हथियार बनाकर एट्रोसिटी एक्ट में फंसाने की धमकी भी देता था।

मोबाइल से उगले कई राज, IPS अधिकारियों से जुड़े अश्लील फोटो-चैट की चर्चा

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दीपक टंडन के मोबाइल फोन की जांच में कई IPS अधिकारियों की महिलाओं के साथ अश्लील तस्वीरें मिली हैं। साथ ही कई पुलिस अधिकारियों और पत्रकारों के साथ आपत्तिजनक चैट मिलने की भी चर्चा है। पुलिस कई अधिकारियों को ब्लैकमेल करने के सबूत और एक और सीडी कांड की तैयारी के प्रमाण मिलने की बात कह रही है। टंडन कई बड़े राजनेताओं के साथ फोटो दिखाकर अपना रसूख बताता था।

साले की तलाश में छापेमारी, 5 दिन की रिमांड पर आरोपी

इस मामले में आरोपी के साले कोमल कुमार चौबे की तलाश में बिलासपुर पुलिस ने रायपुर समेत कई ठिकानों पर दबिश दी है। फिलहाल आरोपी दीपक टंडन 5 दिन की पुलिस रिमांड पर है और बिलासपुर पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और जल्द ही इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य नाम भी सामने आ सकते हैं।

सरकारी सील तोड़कर होटल पर कब्जे का आरोप, 4 दिन पहले ही हुआ था गिरफ्तार



काले कारोबार और ब्लैकमेलिंग के आरोपों में घिरे होटल कारोबारी दीपक टंडन और उनकी पत्नी बरखा टंडन की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। 4 दिन पहले बिलासपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अब दंपती पर रायपुर के तेलीबांधा थाने में एक और FIR दर्ज हुई है। इस बार मामला नगर निगम की सरकारी सील तोड़कर होटल की संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का है।

आर्ट ऑफ लिविंग की छत्तीसगढ़ प्रमुख सरिता बाजपेयी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने दीपक टंडन, बरखा टंडन और उनके साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की 8 गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता सरिता बाजपेयी के अनुसार, उन्होंने वर्ष 2021 में अपनी संपत्ति होटल और बैंक्वेट हॉल चलाने के लिए दीपक टंडन को लीज पर दी थी, जहां 'होटल बेलाकासा श्री' संचालित हो रहा था। लीज की अवधि 2024 में खत्म हो गई थी, जिसे आपसी सहमति से दो बार 11-11 महीने के लिए बढ़ाया गया था। अंतिम लीज 7 अप्रैल 2026 को समाप्त हो गई।

आरोप है कि पिछले करीब एक साल से किराया नहीं दिया जा रहा था और प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं होने के कारण नगर निगम ने 18 अगस्त 2026 को होटल को सील कर दिया था।

शिकायत में बताया गया कि 23 अगस्त को जब सरिता संपत्ति का कब्जा लेने पहुंचीं, तो बरखा टंडन, दीपक टंडन और उनके कर्मचारी नगर निगम की सील तोड़कर अंदर मौजूद थे। शिकायत पर निगम ने संपत्ति को दोबारा सील कर दिया। इसके बाद 30 सितंबर को चाबी सौंपने पर बातचीत हुई और 26 अक्टूबर को नगर निगम जोन-10 के कर्मचारियों ने पुलिस की मौजूदगी में सील खोलकर पंचनामा बनाया।

आरोप है कि 27 अक्टूबर को जब सरिता अपने साथी के साथ होटल पहुंचीं, तो दंपती और उनके साथियों ने मेन गेट सहित अंदर के ताले तोड़ दिए और जबरन अंदर घुस गए। पीड़िता ने अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

8 धाराओं में केस दर्ज

तेलीबांधा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर BNS की धारा 126(2), 296, 3(5), 324(4), 329(4), 331(2), 331(5) और 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

उल्लेखनीय है कि दीपक टंडन को 6 नवंबर को बिलासपुर की सिरगिट्टी पुलिस ने अंक से तस्वीरों में छेड़छाड़ और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल 5 दिन की पुलिस रिमांड पर है। रायपुर में दर्ज हुई नई FIR से उसकी मुश्किलें और बढ़ना तय माना जा रहा है।

कार गैरेज में घुसकर मारपीट, धारदार हथियार से हमला कर मोबाइल लूटा, 3 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। पुरानी रंजिश के चलते कार गैरेज में घुसकर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के मामले में दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में 3 लोग घायल हुए हैं, वहीं लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। मामला चौकी स्मृतिनगर क्षेत्र का है। 9 नवंबर को प्रार्थी कृष्णा शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात लगभग 12 बजे नागेन्द्र सुमनकर अपने साथियों के साथ कार गैरेज में घुस आया और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में मनीष शर्मा, आनंद शर्मा और सारांश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान आरोपी एक मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए थे। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 3 अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर जप्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 309 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।



महाराजा चौक और बोरसी चौड़ीकरण सड़क की बदहाली पर फूटा जनता का गुस्सा

7-8 महीने से सड़क निर्माण अधूरा, धनोरा और हनोदा जाने वाले ग्रामीणों को 4-5 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करने की मजबूरी, व्यापारी और दुकानदार भी परेशान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण का काम पिछले 7-8 महीनों से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य में हो रही देरी और मार्ग में बनी अव्यवस्थाओं के कारण आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है। खासकर धनोरा और हनोदा सहित आसपास के गांवों में आने-जाने वाले लोगों को मार्ग परिवर्तन के चलते प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

सड़क निर्माण अधूरा होने से क्षेत्र के व्यापारी और दुकानदार भी खासे परेशान हैं। मार्ग की बदहाली और आवागमन में हो रही दिक्कतों के कारण दुकानों तक ग्राहकों की पहुंच प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से रोजाना करीब 20 हजार लोग आवागमन करते हैं, ऐसे में सड़क निर्माण में देरी का असर बड़ी आबादी पर पड़ रहा है।

इसी दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में परेशान नागरिकों ने उनका वाहन रुकवाकर अपनी समस्याएं बताईं। लोगों



ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कई महीनों से सड़क की समस्या झेल रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया जा रहा है। आखिर कब तक जनता धैर्य की परीक्षा देती रहेगी?

जनता की परेशानी सुनने के बाद अरुण वोरा ने सड़क निर्माण में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सड़क विकास के नाम पर महीनों तक जनता को परेशानी में रखना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। प्रशासन और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है कि निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरा कराए और तब तक आवागमन के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक सड़क का मामला नहीं है, बल्कि हजारों नागरिकों के रोजमर्रा के आवागमन, व्यापार, रोजगार और ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी से जुड़ा गंभीर विषय है। 7-8 महीने बीत जाने के बाद भी यदि जनता को राहत नहीं मिल रही है तो यह प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है। अरुण वोरा ने प्रशासन से मांग की कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। जनता को अब आश्वासन नहीं, काम पूरा होने की तारीख और राहत चाहिए।

खास खबर

अस्पताल वाले बाबा रहमतुल्ला हजरत की दरगाह में रोशन किया गया चिराग, अमन-भाईचारे की दुआ की गई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



दीपावली पर कौमी एकता की मिसाल, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सलीम राज के नेतृत्व में चादर पेश

दीपावली के पावन अवसर पर शहर में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। अस्पताल वाले बाबा रहमतुल्ला हजरत की दरगाह में दीया जलाकर चिराग रोशन किया गया और देश में अमन-चैन कायम रहने की दुआ की गई। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज के नेतृत्व में दरगाह पर चादर पेश कर दुआ की गई कि सारे हिंदुस्तान में ऐसी ही रोशनी कायम रहे और आपसी भाईचारा बना रहे। साथ ही 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर देश में अमन, शांति और एकता बनी रहे, इसके लिए विशेष दुआ की गई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। जिनमें यूनुस कुरैशी, रिहाना बाजी, फिरोज मेमन, वकील भारती, मोनिस पटवा, मकबूल, मजहिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सलीम राज ने कहा कि खुशियों का त्योहार हम सब मिलकर मनाएं, यही हमारे देश की गंगा-जमुनी तहजीब है। त्योहारों पर एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होकर ही हम विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

दुर्ग जिले में सप्ताहभर होंगे विधिक जागरूकता कार्यक्रम और साक्षरता शिविर

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा 09 नवंबर 2026 को मनाए जाने वाले विधिक सेवा दिवस के अवसर पर पूरे सप्ताह जिलेभर में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामों, शहरी बस्तियों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचकर आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के पैरा लीगल वॉलंटियर्स सक्रिय रूप से सहभागिता निभाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को विधिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं। विधिक सेवा दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर, वंचित तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना और आम नागरिकों में न्यायिक व्यवस्था के प्रति विश्वास को मजबूत बनाना है। आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रमों एवं शिविरों में नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण, श्रमिकों के अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है।

गौरा-गौरी की भक्ति में रंगे अरुण वोरा

दुर्ग शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित उत्सव में हुए शामिल, क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / 0000

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति के प्रतीक पावन पर्व गौरा-गौरी के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा दुर्ग शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित गौरा-गौरी पूजा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने पोलसायपारा, पचरीपारा, शीतला नगर, चंडी मंदिर एवं गौड़पारा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती के स्वरूप गौरा-गौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोकपरंपरा सोंटा प्रहार में भी सहभागी बनकर अपनी आस्था प्रकट की।

इस अवसर पर वोरा ने कहा कि गौरा-गौरी पर्व छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, लोकआस्था का अनुपम उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की आराधना के साथ मनाया जाने वाला यह पर्व पारिवारिक सुख-समृद्धि, आपसी प्रेम का संदेश देता है। सोंटा प्रहार जैसी पारंपरिक रस्में हमारी लोकसंस्कृति में पीढ़ियों से चली आ रही अटूट श्रद्धा की अभिव्यक्ति हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि यहां की जीवंत लोकपरंपराओं और आपसी भाईचारे से भी है। हमारी जिम्मेदारी है कि इन सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक उनकी गौरवशाली परंपरा को पहुंचाएं।

इस दौरान राजकुमार पाली, हरीश साहू, सुधीर चंदेल, कृष्णा यादव, ऋषि साहू, विजयंत पटेल, राजकुमार वर्मा, नरेंद्र सोनकर, अजगर अली, बंटी नवरंग, अशोक चंद्राकर, राज पटले, सौरभ



विधायक चंद्राकर ने दीपावली व गोवर्धन पूजा की दी शुभकामनाएं

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर समस्त क्षेत्रवासियों, प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कामना की कि दीपों का यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली और नई ऊर्जा का संचार करे। विधायक ललित चंद्राकर ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश, अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें जीवन में सकारात्मकता, सद्भावना और प्रेम का संदेश देता है। वहीं गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौ-माता और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त मानव समाज को प्रकृति के महत्व और उसके संरक्षण का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि मां लक्ष्मी एवं भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे तथा प्रत्येक घर-आंगन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। यह पावन पर्व सभी के जीवन में आरोग्य, खुशहाली और उन्नति लेकर आए। विधायक चंद्राकर ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के अवसर पर हम सभी अपने क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर, हरित और समृद्ध बनाने का संकल्प लें। गौ-सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रूप से आगे आएं। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होगी, जब हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ समाज एवं प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे।

ताम्रकार, महेश्वरी ठाकुर, देव कुमार जांगड़े, राहुल राजपूत, शाश्वत पांडेय, शिशिरकांत कासर एवं गिरधर शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे

पिता के निधन के बाद बाकलीवाल परिवार ने किया नेत्रदान



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुख की घड़ी में भी मानवता और सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दुर्ग के पद्मानाभपुर निवासी प्रतिष्ठित घीसूलाल मदनलाल बाकलीवाल परिवार ने अनुकरणीय पहल की है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल के पिता जितेंद्र बाकलीवाल के निधन के पश्चात परिवार ने नेत्रदान का निर्णय लेकर समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। परिवार के इस पुनीत निर्णय से दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

जितेंद्र बाकलीवाल के निधन के बाद उनकी पत्नी निर्मला बाकलीवाल, पुत्र संजय, नीरज एवं धीरज बाकलीवाल, पुत्रवधुएं श्वेता, मोनिका एवं अंजू बाकलीवाल तथा पुत्री शोभा पाटनी एवं दामाद राजेंद्र पाटनी ने नेत्रदान के लिए सहमति प्रदान की परिवार ने अपने इस निर्णय से यह संदेश दिया कि मृत्यु के बाद भी नेत्रदान के माध्यम से किसी के जीवन में उजाला लाया जा सकता है। अपनों को खोने के गहरे दुख के बीच लिया गया यह फैसला न केवल मानवीय संवेदना का परिचायक है, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी नेत्रदान के प्रति जागरूक और प्रेरित करने वाला है।

नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में नवदृष्टि फाउंडेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था की ओर से कुलवंत भाटिया, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, मुकेश राठी, सपन जैन एवं चेतन जैन मौके पर उपस्थित रहे और आवश्यक समन्वय किया। वहीं श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम से डॉ. नीलांजना टोप्पो एवं नेत्र सहायक विवेक कसार ने बाकलीवाल निवास पहुंचकर कॉर्निया का संकलन किया। बाकलीवाल परिवार की इस पहल ने एक बार फिर साबित किया कि परोपकार और मानवता की भावना व्यक्ति के जाने के बाद भी जीवित रहती है। नेत्रदान के इस पुनीत कार्य से दो जरूरतमंद व्यक्तियों के जीवन में रोशनी की नई उम्मीद जगेगी।

शपथ फाउंडेशन की अनूठी पहल : दीपावली पर दो महिलाओं को दी सिलाई मशीन

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम, 10 सालों से सेवा में समर्पित संस्था, 100 दिव्यांगजनों को दे चुकी है ट्राइसाइकिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दीपावली के पावन पर्व पर खुशियां बांटने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शपथ फाउंडेशन ने दो जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक नई सौगात दी।

संस्था द्वारा शंकरपारा दुर्ग निवासी श्रीमती सुमिन लता बंजारे एवं कृष्णा नगर निवासी श्रीमती ममता फाये को सिलाई मशीन भेंट की गई। संस्था का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर घर से ही रोजगार शुरू करने का अवसर देना है, ताकि वे सम्मान के साथ अपनी आजीविका अर्जित कर सकें।



उल्लेखनीय है कि शपथ फाउंडेशन पिछले 10 वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। संस्था विशेष रूप से दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कार्य कर रही है और अब तक 100 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल प्रदान करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर चुकी है। संस्था का मानना है कि तात्कालिक सहायता से ज्यादा जरूरी व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एफएसएनएल के महाप्रबंधक पंकज त्यागी अपनी धर्मपत्नी के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था के मार्गदर्शक पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपथी, साडा के पूर्व उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंह, इरफान खान सहित अध्यक्ष अशोक गुप्ता, अमिताभ भट्टाचार्य, विकास जायसवाल, अशोक साहू, मोहन राव, रश्मि सागर, उर्मिला उपाध्याय, राजेश शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

देवांगन परिवार की अनूठी पहल : दीपावली पर बहू को लक्ष्मी, बेटी को वैभव लक्ष्मी और पत्नी को महालक्ष्मी मानकर किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जरूरतमंद बच्चों में मिठाई-पटाखे बांटकर मनाई खुशियों वाली दिवाली

दीपावली का पर्व धन-वैभव के साथ ही परिवार में संस्कार और सम्मान के दीप प्रज्वलित करने का भी अवसर है। इसी भावना को साकार करते हुए वरिष्ठजन कल्याण महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन के परिवार ने नारी सम्मान की एक अनुकरणीय पहल की है।

दीपावली की रात्रि पारंपरिक लक्ष्मी पूजन के पश्चात देवांगन परिवार ने घर की बहू को लक्ष्मी, बेटी को वैभव लक्ष्मी और पत्नी को महालक्ष्मी का स्वरूप मानकर उनका विधिवत सम्मान किया। इस दौरान उन पर अक्षत और पुष्प वर्षा कर उपहार स्वरूप द्रव्य भेंट कर अभिनंदन किया गया। साथ ही परिवार के दोनों पुत्रों और पौत्र को कुबेर का प्रतीक मानकर उनका भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि संस्कार, समृद्धि और सृजन की शक्ति भी है। नारी का सम्मान केवल 'नारी तू नारायणी' जैसे नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह हमारे आचरण और पारिवारिक व्यवहार में भी दिखना चाहिए। जब घर में बहू को बेटी जैसा स्नेह, बेटी को गौरव और पत्नी को समान सम्मान मिलेगा, तभी समाज में वास्तविक नारी सम्मान की परंपरा



विकसित होगी। परिवार ने इस खुशी को समाज के साथ भी साझा किया और आसपास के जरूरतमंद बच्चों को मिठाई एवं पटाखे वितरित कर उनकी दिवाली को भी रोशन किया।

देवांगन परिवार की इस पहल की विद्वतजनों ने सराहना की है। आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी का दर्जा दिया गया है और देवांगन परिवार ने इस आदर्श को आचरण में उतारा है। वहीं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. डी.पी. देशमुख ने इसे समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार बताया।

उल्लेखनीय है कि घनश्याम कुमार देवांगन इससे पूर्व भी अपने माता-पिता की स्मृति में स्व. तुलाराम देवांगन स्मृति बालक छात्रवृत्ति और श्रीमती उर्मिला देवांगन स्मृति बालिका छात्रवृत्ति की शुरुआत कर शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय पहल कर चुके हैं।

जिला खाद्य अधिकारी जीआर कुर्रे को सतनामी विकास परिषद और कर्मचारी संघ ने दी विदाई



नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

जिला खाद्य अधिकारी जीआर कुर्रे के अल्प समय में स्थानांतरण पर सतनामी विकास परिषद सारंगढ़ एवं कर्मचारी संघ ने खेद व्यक्त करते हुए सतनाम भवन कुटेला में सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया। समाज और कर्मचारियों ने उन्हें ईमानदार, जिम्मेदार और संवेदनशील अधिकारी बताते हुए उनकी सेवाओं को यादगार बताया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कुर्रे ने अपने कार्यकाल में आम लोगों, कर्मचारियों और समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्य कर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके स्थानांतरण से समाज में नाराजगी है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश संयुक्त सचिव एवं छत्तीसगढ़ क्रांतिकारी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष लौतून कुमार भारद्वाज ने कुर्रे को मिलनसार, जुझारू और ईमानदार अधिकारी बताते हुए उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और कर्मचारियों के प्रति सद्भावनापूर्ण कार्यों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सतनामी विकास परिषद सारंगढ़ के अध्यक्ष बीडी भारद्वाज ने कहा कि कुर्रे के शासकीय कर्तव्य बेहतरीन और सराहनीय रहे। वे अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी सेवाओं को समाज सदैव स्मरण करेगा। इस अवसर पर डीएफओ कुर्रे ने कहा कि सारंगढ़ के प्रबुद्धजनों और आम लोगों का स्नेह, आशीर्वाद हमेशा याद रहेगा। यहां अच्छा अनुभव रहा, सभी को दिल से धन्यवाद।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष एड. रमेश अनंत, सचिव तेजेश्वर रात्रे, एडवोकेट ऊधो राम कोसले, पूर्व अध्यक्ष केएल जांगड़े, पूर्व अध्यक्ष शंकर जांगड़े सहित बड़ी संख्या में समाज के बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खण्डसरा में किया नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और सांसद संतोष पांडेय ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर सुनीं समस्याएं किया निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कवर्धा

कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम खण्डसरा में विकास की एक नई सौगात मिली। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा तथा सांसद संतोष पांडेय ने 20 लाख रुपए की लागत से बने नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। नवीन पंचायत भवन के शुभारंभ से ग्राम पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं। ग्रामीणों ने भी खुलकर अपनी बातें उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री शर्मा ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली और उनके निराकरण के लिए मौके



पर ही आवश्यक पहल की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

गांव की चौपाल में दिखा जनसेवा का भाव

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि नवीन पंचायत भवन के निर्माण से पंचायत के कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचे और नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशान न होना पड़े। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का दायित्व है कि वे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझें और उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

नवीन पंचायत भवन से ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

नवीन ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण से ग्राम खण्डसरा में पंचायत संबंधी कार्यों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधा उपलब्ध हुई है। यहां ग्राम पंचायत की बैठकों, विकास कार्यों की समीक्षा, शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा। इससे पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में सुगमता और ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, विदेशी राम धुर्वे, लालचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

खास खबर

एक्शन मोड में रायपुर नगर निगम अपशिष्ट उठाने मैदान में डटीं स्वच्छता टीम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



दीपावली पर्व के बाद राजधानी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए रायपुर नगर पालिक निगम का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। शहर की गलियों, बस्तियों और मुख्य सड़क मार्गों पर फैले दीपावली पूजा अपशिष्ट तथा आतिशबाजी के पटाखों के कचरे को हटाने के लिए सभी जोन क्षेत्रों में निरंतर सघन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम की स्वास्थ्य टीमों, सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों के गैंग द्वारा दिन-रात काम करके जनस्वास्थ्य सुरक्षा के लिए स्वच्छता कायम की जा रही है।

जोन-वार चलाया जा रहा विशेष अभियान राजधानी के विभिन्न जोन और वार्डों में सफाई कर्मचारियों की टीमें तैनात की गई हैं। जोन 2 में, जिसमें मौधापारा, जवाहर नगर, रेलवे स्टेशन रोड और नाहरपारा जैसे इलाके तथा आसपास की सड़कें और कॉलोनियां शामिल हैं, बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया और जमा हुआ कचरा हटाया गया। जोन 1 में, खमतराई, श्रीनगर, समगिरी कॉलोनी रोड और आसपास के इलाकों से कचरा और पटाखों के अवशेष हटाकर सफाई की गई। जोन 3 (वार्ड 31) में, गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के पास की मुख्य सड़कों और खम्हरडीह तालाब के आसपास से भारी मात्रा में कचरा हटाया गया, जिसमें धार्मिक चढ़ावे के अवशेष भी शामिल थे। त्योहार के बाद आतिशबाजी के कचरे और खुले में पड़े पूजा अपशिष्ट से होने वाले प्रदूषण व बीमारियों के खतरे को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। शहर के सभी जोनों में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों की टोलियां लगातार सड़कों की सफाई कर कचरे का निपटान कर रही हैं, ताकि नागरिकों को आवाजाही में परेशानी न हो और शहर की सुंदरता बनी रहे।

अब घर बैठे पता चलेगी कचरा गाड़ी की लोकेशन : शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। यदि आपके घर के बाहर कचरा गाड़ी समय पर नहीं पहुंची, तो अब आपको चिंता करने या नगर निगम कार्यालय के चक्कर काटने की बिल्कुल जरूरत नहीं होगी। रायपुर नगर निगम की नई पहल से अब नागरिक घर बैठे ही अपने मोबाइल पर कचरा गाड़ी की लाइव लोकेशन और उसके पहुँचने का संभावित समय जान सकेंगे। नगर निगम ने सभी कचरा वाहनों को जीपीएस आधारित डिजिटल निगरानी से जोड़ने का निर्णय लिया है, जिससे सफाई व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी हो जाएगी।

सफाई व्यवस्था को हाई-टेक बनाने के लिए इंदौर में सफाई निगरानी का सफल काम कर रही विशेषज्ञ एजेंसी की सेवाएं ली जा रही हैं। डिजिटल रूट: अब तक 50 से 60 वाहनों के रूट डिजिटाइज किए जा चुके हैं। रेड फ्लैग सिस्टम: यदि कोई कचरा वाहन तय रास्ते से भटकता है, 30 मिनट से अधिक देरी करता है या किसी जगह 15-20 मिनट से बिना वजह खड़ा रहता है, तो कंट्रोल रूम में स्वतः 'रेड फ्लैग' जारी हो जाएगा।

यदि कोई नागरिक कचरा गाड़ी न आने की शिकायत दर्ज कराता है, तो निगम अधिकारी केवल 5 मिनट में वाहन के जीपीएस रिकॉर्ड को चेक कर शिकायत की हकीकत का पता लगा सकेंगे। इसके अलावा, सड़क और नालियों की सफाई का काम भी 'काम से पहले' और 'काम के बाद' की तस्वीरों के साथ डिजिटल रूप से दर्ज होगा। गंदगी फैलाने वालों पर CCTV से नजर और जुर्माना शहर के सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों पर नकेल कसने के लिए संवेदनशील जगहों पर CCTV कैमरे लगाए जा रहे हैं। सफाईकर्मी भी सड़क या नाली में कचरा फेंकने वालों की तस्वीरें टाइम और लोकेशन के साथ अपलोड कर सकेंगे, जिसके आधार पर चालानी कार्रवाई होगी। कचरा डंपिंग यार्ड अब बनेंगे सुंदर 'ग्रीन कार्नर' खाली प्लॉटों और मोहल्लों में कचरे के ढेरों को खत्म करने के लिए नगर निगम उन्हें सुंदर पार्कों में बदल रहा है। टूरी हटरी और गुरु तेग बहादुर उद्यान की तर्ज पर अब सभी जोनों को हर हफ्ते दो-दो स्थानों का कायाकल्प करने का लक्ष्य मिला है।

बगिया बैराज सिंचाई परियोजना से जशपुर के 13 गांवों में आएगी खुशहाली, 3,921 से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 79 .38 करोड़ रुपए की बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के बगिया स्थित कैम्प कार्यालय में क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए 79 करोड़ 38 लाख 78 हजार रुपए की लागत से बनने वाली बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से क्षेत्र के 13 गांवों के 3,921 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा तथा 8,454 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि खेती-किसानी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का आधार है और किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सिंचाई सुविधा के अभाव में किसानों को कई बार मौसम और वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। बगिया बैराज परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के किसानों की यह चिंता काफी हद तक दूर होगी। उन्हें खरीफ के साथ रबी की फसल के लिए भी सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सकेगा। इससे किसान वर्ष में एक से अधिक फसल लेकर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस परियोजना की विशेषता इसका आधुनिक तकनीक आधारित संचालन है। सिंचाई व्यवस्था को मोबाइल माध्यम से संचालित



किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की आधुनिक तकनीक पर आधारित यह पहली परियोजना है। इससे जल प्रबंधन को अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैराज के निर्माण से वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ेगा। किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिलने से कृषि उत्पादन बढ़ेगा और खेती में नई संभावनाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसानों को आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिले, खेती की लागत कम हो और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो।

उल्लेखनीय है कि बगिया बैराज का निर्माण मैनी नदी पर स्थित पुल से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर ग्राम मुसकुटी में किया जाएगा। परियोजना से बगिया, रजौटी, सुजीबहार, दोकड़ा, पतरापाली, बांसबहार सहित आसपास के कुल 13 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और कृषि आधारित आजीविका को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने परियोजना के भूमिपूजन पर क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परियोजना केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि हजारों किसान परिवारों की खुशहाली और क्षेत्र के कृषि विकास की मजबूत आधारशिला है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, श्रीमती कौशल्या साय, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दीपावली पर बनोरा स्थित अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर पहुंचे वित्त मंत्री चौधरी



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-रायगढ़

दीपावली के पावन अवसर पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ जिले के बनोरा स्थित अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर का जायजा लिया और वहां के शैक्षणिक वातावरण की जानकारी ली।

इस अवसर पर श्री चौधरी ने विद्यालय के महत्व और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रयासों को जाना। दीपावली के पर्व पर उनका विद्यालय आगमन रहा।

बरपाली में शेड और सीसी रोड का किया लोकार्पण, सामुदायिक भवन व नए तालाब का भूमिपूजन

बरपाली में शेड और सीसी रोड का लोकार्पण, सामुदायिक भवन एवं नए तालाब का भूमिपूजनरायपुर : बरपाली में शेड और सीसी रोड का लोकार्पण, सामुदायिक भवन एवं नए तालाब का भूमिपूजनरायपुर : बरपाली में शेड और



सीसी रोड का लोकार्पण, सामुदायिक भवन एवं नए तालाब का भूमिपूजन वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ के बरपाली में शेड और सीसी रोड निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने सामुदायिक भवन और नए तालाब के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार प्रदेश के हर गांव तक विकास का उजाला पहुंचाने के लिए संकल्पित है। गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति देने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

दीप महोत्सव मुख्यमंत्री लैलूंगा के ग्राम भुईयांपानी में आयोजित दीप महोत्सव में हुए शामिल

गुरु का आशीर्वाद ही मेरी जनसेवा की सबसे बड़ी प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-रायगढ़

दीपावली पर्व के दूसरे दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम भुईयांपानी पहुंचे। यहां उन्होंने गुरुधाम में आयोजित दीप महोत्सव में शामिल होकर अपने आराध्य गुरुदेव स्वामी धनपती पंडा जी एवं श्रीमती प्रेमशीला पंडा की प्रतिमाओं के समक्ष नमन किया तथा गुरु गद्दी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शिव मंदिर में जलाभिषेक किया तथा हनुमान मंदिर, वटवृक्ष और मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपोत्सव का यह पावन पर्व हर घर में उजियारा और हर जीवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं प्रेम का प्रकाश फैलाए। गुरुदेव का आशीर्वाद सदैव हम सब पर बना रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अपने गुरु स्वामी धनपती पंडा जी के प्रति गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है। महज दस वर्ष की आयु से ही वे गुरुदेव के अनुयायी हैं। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों और निर्णयों से पहले गुरु का आशीर्वाद लेना उनकी परंपरा रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद



भी वे इस पवित्र गुरु-शिष्य परंपरा का पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरुदेव के सान्निध्य ने उन्हें सेवा, सादगी और समर्पण का मार्ग सिखाया है। उनके संस्कारों और आशीर्वाद से ही वे जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ पाए हैं। गुरुदेव ने सिखाया है कि माता-पिता ही हमारे सबसे बड़े गुरु होते हैं। उनकी सेवा और सम्मान से ही जीवन में सच्चा आनंद एवं पूर्णता प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। हमारी सरकार को लगभग तीन वर्ष होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर गारंटी को पूरा करने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर आगे बढ़ रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूर सहायता योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी अनेक जनहितकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर भी मिल रहा है। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन और प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए ई-गवर्नेंस प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वहीं सेवा सेतु पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करने में सहूलियत मिल रही है और प्रशासनिक सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बन रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में उद्योग, निवेश और अधोसंरचना के विकास के माध्यम से रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को विस्तार मिला है। हमारा संकल्प विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है, जहां हर गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़े और प्रत्येक परिवार के जीवन में खुशहाली आए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम भुईयांपानी में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की योजना के अंतर्गत 7 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सांस्कृतिक मंच का लोकार्पण किया। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने ग्राम भुईयांपानी के शिव मंदिर, गुरुमाता मंदिर, वटवृक्ष प्रांगण एवं हनुमान मंदिर में स्टील रेलिंग, स्टील जाली और टाइल्स लगाने के कार्यों की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम सिरकीनारा में पंचराम भगत के घर से मुख्य मार्ग तक तथा पंचायत भवन से मेहत्तर सिदार के घर तक सीसी रोड निर्माण कराने की घोषणा की। गांधी चौक में बोरवेल एवं पंप स्थापना के लिए भी घोषणा की गई।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार, पूर्व मंत्री सत्यानंद राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति भगत, सरपंच श्रीमती ललिता भगत, विजय शंकर पटनायक, शांता साय, जय प्रकाश साय, सहदेव पंडा, संजय पंडा, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संपादकीय

अखिलेश राममंदिर दर्शन करने को मजबूर हैं या

यूपी की राजनीति में सफलता के लिए अब पहले जैसी राजनीति होती थी,अब वैसी राजनीति से सफलता मिल नहीं सकती है, इसलिए सपा जैसे राजनीतिक दल को भी अपने किसी नेता के माध्यम से घोषणा करानी पड़ रही है कि सपा प्रमुख अयोध्या के राममंदिर भगवान राम के दर्शन के लिए दिसंबर में जाएंगे ।बदलते वक्त के साथ सफलता के लिए राजनीति भी बदलनी पड़ती है और इस बात का एहसास अब अखिलेश यादव को भी हो रहा है ।यही वजह है कि अभी तक वायएम के भरोसे राजनीतिक सफलता में यकीन रखने वाले अखिलेश को बार बार अपनी राजनीति में बदलाव करना पड़ रहा है ।अखिलेश ने 2027 के चुनाव में सफलता के एमवाय की जगह पीडीए की राजनीति पर जोर दिया। यह उनका पहला बदलाव था,पिछले दो चुनावों में हार से अखिलेश यादव का भरोसा एमवाय से कम हुआ तो उन्होंने पीडीए यानी दो जगह की तीन वर्ग को राजनीतिक सफलता के लिए जरूरी माना यानी पिछड़ा,दलित व अल्पसंख्य यानी मुसलमान । चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं अखिलेश यादव को लग रहा है कि पीडीए से भी चुनाव में जीत की निश्चित तौर पर नहीं मिलने वाली है ।यही वजह है वह अब जीत के लिए हिंदुओं व सनातनियों का साथ भी जरूरी मान रहे हैं।

यही वजह है कि पीडीए के साथ ही अखिलेश यादव ने पिछले कुछ महीनों में सपा की राजनीति में बदलाव किया है । वह कई मंदिरों के दर्शन करने को गए हैं, भागवत आदि धार्मिक आयोजनों में शामिल हो रहे है,बड़े मंगल पर हनुमान चालीसा,भगवान हनुमान की फोटो सोशल मीडिया पर साझा करते हैं । इटावा में वह केदारेश्वर मंदिर बनवा रहे हैं,सपा प्रमुख ने हाल ही में बुलंदशहर के शिकारपुर क्षेत्र की जनता के लिए निशुल्क धार्मिक बस सेवा को हरी झंडी दिखाई थी। जिसके तहत यात्रियों को धार्मिक स्थलों की यात्रा के साथ नाश्ते की सुविधा दी जा रही है ।यही नहीं अखिलेश यादव ने रामचरितमानस को सांस्कृतिक संविधान तक बताया है, अखिलेश यादव ने खुद को भगवान राम व कृष्ण की परंपरा से जोड़ने वाले पोस्टर भी लगवाए थे । समाजवादी कार्यालय के बाहर लगा एक पोस्टर भी खूब चर्चित हुआ था जिसमें समाजवादी ही सनातनी है लिखा हुआ था । राम मंदिर में दर्शन करने नहीं जाने पर अखिलेश यादव को सनातनी नही है कहकर आलोचना की गई थी तब अखिलेश यादव ने कहा था वह राममंदिर बाद में जाएंगे । अब खुद को हार्ड हिंदुत्व वाले योगी आदित्य नाथ के जीत के लिए खड़े होने के लिए अखिलेश यादव को लग रहा है कि उनका भी सनातनी होना जरूरी हो गया है । यही वजह है कि पिछले कई महीनों से जब भी मौका मिलता है वह खुद को सनातनी बताने की कोशिश करते हैं । कई बार उनकी कोशिश से लगता है कि वह खुद को योगी से बड़ा सनातनी बताना चाहते है ।

हाल ही में अखिलेश यादव को तब खुद को सनातनी बताने का बड़ा मौका मिला जब बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने एक कार्यक्रम में राम और कृष्ण की तुलना कर दी और इससे ब्रज क्षेत्र के संत व यादव समाज ने नाराजगी जताई तो धीरेंद्र शास्त्री ने तो जल्द ही माफी मांग ली लेकिन अखिलेश यादव को लगा कि यह मौका खुद को कट्टर सनातनी बताने का है और उन्होंने राजनीति के क्षेत्र से सबसे कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मानवीय भूलों के लिए तो क्षमा की जा सकती है लेकिन ईश निंदा के लिए कभी क्षमा नहीं किया जा सकता ऐसे दुष्प्रवी लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए, सार्वजनिक जीवन में हर सच्चे सनातनी को धीरेंद्र शास्त्री का बहिष्कार करना चाहिए । यही नहीं यह भी सपा की तरफ से कहा गया कि धीरेंद्र शास्त्री का कोई कार्यक्रम यूपी में नहीं होना चाहिए,उनको यूपी में घुसने नहीं देना चाहिए।

वह खुद को बड़ा सनातनी बताने के चक्कर में यह भूल गए कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर की देश के हर राज्य में लाखों अनुयायी है ।वह विरोध करेंगे तो उनके समर्थक भी तो कुछ करेंगे। अब यूपी के प्रतापगढ़ के राजा भैया अपने क्षेत्र में धीरेंद्र शास्त्री की रामकथा का आयोजन कर रहे हैं और इसके अलावा भी यूपी में कई जगह दिसंबर तक धीरेंद्र शास्त्री के कई कार्यक्रम होने है । यदि सपा के विरोध के बाद भी धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम का सफल आयोजन हो जाएगा तो अखिलेश यादव के सनातनी होने पर सवालिया निशान लग जाएगा क्योंकि अखिलेश तो तब ही कहे सनातनी माने जाएंगे उनके साथ यूपी की जनता भी धीरेंद्र शास्त्री का विरोध करे । राजा भैया ने ऐलान कर दिया है कि कोई माई का लाल धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को रोक नहीं सकता ऐसे में अखिलेश यादव का धीरेंद्र शास्त्री को रोक पाना को संभव नहीं लगता है ।

यही वजह है कि दिसंबर में अपनी धीरेंद्र शास्त्री को न रोक पाने की असफलता को छिपाने के लिए और खुद का कृष्ण भक्त के साथ रामभक्त बताने के लिए अखिलेश यादव ने सपा नेता से यह घोषणा करवा दी है पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर जाएंगे । जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद, पूर्व मुख्यमंत्री का यह वहां पहला दौरा होगा । वे हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे । साथ ही, वे राम मंदिर में भी आशीर्वाद लेंगे ।अखिलेश को 22 जनवरी 2024 को मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया था । उस समय अखिलेश ने कहा था कि वे बाद में अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे । समाजवादी पार्टी प्रमुख इस साल 8 अक्टूबर को भागवत कथा में शामिल होने अयोध्या गए थे, लेकिन वे राम मंदिर नहीं गए, जिस पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नाराजगी जताई थी । उनको गैरसनातनी बताया था ।

बस्तर की 340 दुर्लभ जड़ी-बूटियों को प्राकृतिक आवास में सहेज रहा मां दंतेश्वरी एथनिक हर्बल गार्डन

शशांक त्यागी/कोण्डागांव-बस्तर

340 औषधीय प्रजातियों का अनूठा संरक्षण, 25 वर्षों की साधना का परिणाम।
बस्तर की आदिवासी महिलाओं की जैविक जड़ी-बूटियों को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बनाने की पहल।
तेलिया कंद, हिरनतुप्ति सहित कई दुर्लभ वनौषधियां विलुप्ति के कगार पर।
पांच एकड़ में विकसित मां दंतेश्वरी एथनिक हर्बल गार्डन, वनौषधियों की प्राकृतिक विरासत का संरक्षक।
धनतेरस पर दुर्लभ वनौषधियों को बचाने और आयुर्वेद की विरासत संजोने की सामूहिक शपथ।



आयुर्वेद के प्रणेता भगवान धन्वंतरि के प्रकट दिवस एवं धनतेरस के पावन अवसर पर आयुर्वेद विश्व परिषद द्वारा भगवान धन्वंतरि अवतरण दिवस समारोह धूमधाम और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। यह आयोजन मां दंतेश्वरी हर्बल परिसर स्थित बड़तका हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन आयुर्वेद विश्व परिषद, एमडी बोटैनिकल्स, जनजातीय शोध एवं कल्याण संस्थान, संपदा तथा मां दंतेश्वरी हर्बल समूह के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुर्वेद विश्व परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजाराम त्रिपाठी द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष संस्कृत मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों ने भगवान धन्वंतरि की पूजा की और मानव कल्याण के लिए आयुर्वेद के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर बस्तर की आदिवासी महिलाओं के साथ मिलकर उनकी उगाई हुई जैविक जड़ी-बूटियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमडी बोटैनिकल्स ब्रांड के रूप में स्थापित करने के अभियान में जुटी अपूर्वा त्रिपाठी ने कहा कि आज बाजार और सोशल मीडिया में हर्बल उत्पादों की भरमार दिखाई देती है, लेकिन वास्तविक गुणवत्ता और शुद्धता वाले हर्बल उत्पाद तलाशने पर भी आसानी से नहीं मिलते। बाजार में उत्पादों की बढ़ती संख्या के बावजूद उनकी गुणवत्ता और प्रामाणिकता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि मां दंतेश्वरी हर्बल समूह द्वारा स्वयं उगाई और तैयार की जा रही जड़ी-बूटियों की विश्वसनीयता निरंतर बढ़ रही है। हमारा प्रयास है कि बस्तर की आदिवासी महिलाओं के पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती और वनौषधियों को उचित पहचान मिले तथा उनके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सम्मानजनक स्थान प्राप्त हो। इससे आदिवासी महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और उनके पारंपरिक ज्ञान, दोनों को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुर्वेद विश्व परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने कहा कि यह हमारे समय की एक बड़ी विडंबना है कि एक ओर देश और विदेश में जड़ी-बूटियों तथा हर्बल उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर इन औषधीय वनस्पतियों के परंपरागत प्राकृतिक स्रोत तेजी से समाप्त होते जा रहे हैं। जंगलों में जड़ी-बूटियों की उपलब्धता घटने और उनकी मांग बढ़ने के कारण बाजार में मिलावटी जड़ी-बूटियों तथा नकली हर्बल उत्पादों का कारोबार भी बढ़ रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित देश के अनेक वन क्षेत्रों में ऐसी दुर्लभ औषधीय वनस्पतियां हैं, जो अनियंत्रित दोहन और प्राकृतिक आवास के विनाश के कारण विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी हैं। इनमें से कई प्रजातियां तो अपने प्राकृतिक आवास से लगभग समाप्त हो गई हैं। यदि समय रहते इनका संरक्षण नहीं किया गया, तो संभव है कि इनमें से कुछ वनस्पतियां दोबारा इस धरती पर कभी दिखाई ही न दें। यह केवल वनस्पतियों का नुकसान नहीं होगा, बल्कि हमारी हजारों वर्षों की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और वनवासी समुदायों के संचित ज्ञान की भी अपूरणीय क्षति होगी। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि हमें यह बताते हुए विशेष प्रसन्नता है कि मां दंतेश्वरी हर्बल प्रोडक्ट्स तथा संपदा समाजसेवी संस्थान के सहयोग से लगभग पांच एकड़ भूमि पर मां दंतेश्वरी एथनिक हर्बल गार्डन विकसित किया गया है।

पिछले लगभग 25 वर्षों की सतत मेहनत और शोध के परिणामस्वरूप वर्तमान में यहां 340 प्रकार की औषधीय जड़ी-बूटियों का उनके प्राकृतिक आवास और अनुकूल पर्यावरण में संरक्षण, संवर्धन एवं प्रवर्धन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस हर्बल गार्डन का उद्देश्य केवल औषधीय पौधों को संग्रहित करना नहीं, बल्कि उन्हें उनके प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप संरक्षित करना, उनकी संख्या बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस अमूल्य वनौषधीय विरासत को सुरक्षित रखना है।

आयुर्वेद विश्व परिषद का ऐतिहासिक महत्व

आयुर्वेद के विकास और उसके माध्यम से जनकल्याण के व्यापक उद्देश्य से स्थापित आयुर्वेद विश्व परिषद के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि इस संस्था की स्थापना 12 जनवरी 1952 को आचार्य डॉ. प्रभाकर मिश्र (1008 शंकराचार्य प्रभानंद सरस्वती), तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के. एम. मुंशी तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सहयोग और मार्गदर्शन में की गई थी।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शिक्षा पद्धति के विस्तार तथा एलोपैथिक चिकित्सा प्रणाली को मिले व्यापक संस्थागत प्रोत्साहन के कारण आयुर्वेद को लंबे समय तक अपेक्षित संरक्षण, संवर्धन और विकास के अवसर नहीं मिल सके। इसके बावजूद आयुर्वेद की वैज्ञानिक एवं पारंपरिक विरासत आज भी प्रासंगिक है। आज दुनिया आयुर्वेद को केवल एक पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि जीवन को समग्रता से समझने वाली जीवन विद्या के रूप में देखने लगी है। अमेरिका सहित अनेक विकसित देशों में भी चिकित्सा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आयुर्वेद तथा पारंपरिक भारतीय चिकित्सा ज्ञान के प्रति रुचि और स्वीकार्यता बढ़ रही है। यह भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा के लिए गौरव का विषय है।

डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि आयुर्वेद विश्व परिषद के परमाध्यक्ष एवं मार्गदर्शक धन्वंतरि अखाड़े के प्रमुख आचार्य उदय मिश्र जी हैं, जिनके मार्गदर्शन में संस्था आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार, संरक्षण और जनकल्याण के उद्देश्यों को आगे बढ़ा रही है।

विलुप्त होती वनौषधियों को बचाने का संकल्प

समारोह के दौरान बस्तर की अनेक दुर्लभ और विलुप्तप्राय जड़ी-बूटियों के संरक्षण पर विशेष चर्चा हुई। बताया गया कि बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली तेलिया कंद, हिरनतुप्ति, मंजूर गोड़ी, रसना जड़ी और कुरवां जड़ी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियां अनियंत्रित एवं अंधाधुंध दोहन के कारण आज विलुप्तप्राय स्थिति में पहुंच गई हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों को इन दुर्लभ वनौषधियों की रक्षा, उनके प्राकृतिक आवास के संरक्षण तथा उनके संवर्धन की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि आयुर्वेद की इस प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे तथा स्थानीय समुदायों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम में मां दंतेश्वरी हर्बल समूह की अध्यक्ष जसमती नेताम, संपदा समाजसेवी संस्थान की महासचिव शिप्रा त्रिपाठी, मां दंतेश्वरी हर्बल प्रोडक्ट्स के डायरेक्टर अनुराग कुमार, एमडी बोटैनिकल्स के सीईओ केविन कुमार तथा मिशन लीडर कृष्णा नेताम सहित बलई चक्रवर्ती, शंकर नाग, लालाराम नेताम और गोलू बघेल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मूल संदेश यही रहा कि आयुर्वेद की रक्षा केवल ग्रंथों, औषधियों और चिकित्सा संस्थानों तक सीमित नहीं है। इसके लिए उन जंगलों, जैव विविधता और आदिवासी समुदायों के पारंपरिक ज्ञान को बचाना भी उतना ही आवश्यक है, जिनकी गोद में हजारों वर्षों से भारत की वनौषधीय चिकित्सा परंपरा सुरक्षित रही है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः अर्थात सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, भगवान धन्वंतरि के इस आदर्श को साकार करने के लिए प्रकृति और उसकी औषधीय संपदा की रक्षा ही सच्ची आराधना है।

भारतीय हॉकी टीम में बदलावों को ले अभी कुछ भी आधिकारिक नहीं :फुल्टन

सत्येन्द्र पाल सिंह

चीफ कोच क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 2024 में पेरिस ओलंपिक में अपना कांसा बरकरार रखने के बाद 2023 और 2026 के एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक बरकरार रखने के साथ पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपना दबदबा रखा। फुल्टन को खुद भी इस बात का मलाल है कि वह बतौर चीफ कोच भारत को पुरुष हॉकी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर कोई पदक नहीं दिला पाए हैं। भारत के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर 2028 के लॉस एंजेल्स के लिए सीधे क्वॉलिफाई करने के बाद एक नई मजबूत टीम तैयारी करने जैसे मुश्किल सवालों पर प्रस्तुत है क्रेग फुल्टन से एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में किया इंटरव्यू।



भारतीय हॉकी टीम में बदलावों को लेकर अभी कुछ भी आधिकारिक नहीं है। बेशक हर टीम को बदलाव और नए खिलाड़ियों की टीम में शामिल करने की जरूरत होती है। हमने भी अपनी भारतीय टीम में बदलाव किए हैं। मेरे चीफ कोच रहते हमारी भारतीय टीम तीन एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शिरकत कर चुकी है और इन तीनों में कभी भी टीम एक सी नहीं रही। चेन्नै में 2023 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2025 में हुलुनबुइर (चीन) में शिरकत करने वाली भारतीय हॉकी टीमें भी अलग- अलग थीं। हमने तब चीन में चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टीम में शिरकत करने वाली अपनी टीम के नौ खिलाड़ियों को बदला था। अब पंजाब में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में शिरकत करने वाली हमारी भारतीय टीम एकदम अलग रही।

हम भविष्य के मद्देनजर आक्रमण के साथ अपने रक्षण दोनों को बेहतर करने में जुटे हैं। लेकिन फिलहाल बात किसी खास खिलाड़ी विशेष को चुनने की नहीं है। बड़े मंच पर बड़े मैचों में अहम होती हैं खिलाड़ियों की सोच और मानसिकता। यह समझना होगा कि गलतियां हर खिलाड़ी से होती हैं और हर खिलाड़ी साथ ही अच्छा प्रदर्शन भी करता है।

हम लगातार और बराबर हॉकी खेल रहे हैं। सच तो यह है कि नीदरलैंड और बेल्जियम में हॉकी विश्व कप और नगोया(जापान) में एशियाई खेलों के बीच एक पखवाड़े का अंतर था। इन दोनों बड़े टूर्नामेंट से ठीक पहले हम एफआईएच प्रो लीग हॉकी खेले थे। हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि हॉकी विश्व कप में आठवें स्थान की निराशा को भुला हमने एशियाई खेलों में स्वर्ण बरकरार रख सीधे 2028 के लॉस एंजेल्स ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई किया। हमारे लिए यह बेहद अहम था। हॉकी विश्व कप में जिन बड़े मैचों में जब हमें गोल करने की जरूरत थी तब हम गोल नहीं कर पाए और साथ ही हम कुछ बेवजह के आसान गोल खाए भी। हम इसी के चलते हॉकी विश्व कप वहां आठवें स्थान पर रहे। हमने इसके बाद एशियाई खेलों में अपना स्वर्ण पदक रखा। एशियाई टीमों के खिलाफ हम गोल करने और अपने किले की चौकसी करने में खासे अच्छे हैं। यूरोपीय और एफआईएच रैंकिंग की ऊंची रैंकिंग वाली टीमें के खिलाफ हमें बराबर अपने आक्रमण को और रक्षण, दोनों में सुधार की जरूरत है। इसके बाद हमने घर में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में टीम में बदलाव किए और यह टूर्नामेंट इसलिए खास था कि इसमें टीम के पंजाब से आने वाले खिलाड़ी करीब डेढ़ दशक के बाद अपनी धरती पर इसमें खेले। इसमें हमने कई नए खिलाड़ियों को आजमाने के साथ बराबर खिलाड़ियों को रोटेट भी किया। जहां तक हमारी आगे की योजना की बात है तो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत की नौजवान खिलाड़ियों से सज्जित टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर उसके खिलाफ 19 से 22 नवंबर तक तीन टेस्ट मैच की सीरीज खेलने जाएगी।

इस टेस्ट सीरीज का आयोजन दद्दा ध्यानचंद की अगुआई में 1926 में भारतीय सेना की हॉकी टीम के न्यूजीलैंड के पहले हॉकी दौरे के सौ पूरे होने के उपलक्ष्य में होने पर शताब्दी समारोह के मौके पर किया जा रहा है। न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली में हम कई नए और नौजवान खिलाड़ियों को आजमाएंगे। नवंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली भारत की ए हॉकी टीम में अरजिंत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह भी खेलते देख सकते हैं। जहां तक ड्रैग फ्लिकर के रूप में अमनदीप लाकरा और राजिंदर सिंह जू. को फिलहाल एशियन चैंपियंस हॉकी में पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक लगाने का ज्यादा मौका न मिलने की बात है तो न्यूजीलैंड दौरे वह आप इनको पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक लगाता देखेंगे।

हम जनवरी 2027 में एफआईएच प्रो लीग के लिए नई टीम चुनेंगे। हमारे पास अभ्यास के लिए बहुत कम समय होगा, क्योंकि खिलाड़ी जनवरी , 2027 में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के लिए खेलने चले जाएंगे। इसके बाद हम भारत एफआईएच प्रो लीग में खेलने के लिए नई टीम चुनेंगे। फिर हम इस नई भारतीय हॉकी टीम के साथ 2027-28 की हॉकी साइकिल की शुरूआत करेंगे।

हम न्यूजीलैंड दौरे के बाद इसका आकलन करेंगे। न्यूजीलैंड दौरे के बाद हम नया कोर ग्रुप और नई टीम चुनेंगे। आपने अभी कहा कि भारत को जरूरत यूरोपीय टीमों के खिलाफ सुधारने की है। हम अभी भी दुनिया की सभी शीर्ष हॉकी टीमों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हमने नीदरलैंड और जर्मनी को हराया है और इंग्लैंड को हाल ही में दो बार ड्रॉ पर रोका भी है। हॉकी में दुनिया की शीर्ष आठ टीमों में आज कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

हम नंबर एक गोलरक्षक तैयार करने की दिशा में मेहनत कर रहे हैं। फिलहाल सूरज करकेरा भारत के नंबर एक गोलरक्षक के रूप में बढ़िया काम कर रहे हैं। हमें जरूरत एक से ज्यादा गोलरक्षक की है। हमें तीन या चार ऐसे चौकस गोलरक्षक चाहिए जिनके बीच भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्द्धा हो। हम इसके बाद हम भारतीय टीम के लिए तीन गोलरक्षक चुनेंगे।

झाड़ू से बीएमडब्ल्यू तक : दीपोत्सव, सनातन परंपरा और बाजारवाद

अजय कुमार बियानी

भारत में त्योहार केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं होते, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक जीवन की जीवंत अभिव्यक्ति होते हैं। सनातन धर्म में प्रत्येक पर्व के पीछे कोई न कोई आध्यात्मिक संदेश, धार्मिक मान्यता और जीवन-दर्शन छिपा है। दीपावली भी ऐसा ही महापर्व है, जो अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और असत्य से सत्य की ओर बढ़ने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आगमन की स्मृति हो या माता लक्ष्मी की आराधना, दीपावली भारतीय जनमानस में आस्था, उल्लास और पारिवारिक एकता का प्रतीक रही है। लेकिन बदलते समय के साथ इस पर्व का एक नया चेहरा भी सामने आया है, जहां आध्यात्मिकता के साथ बाजारवाद की चमक भी खूब दिखाई देती है।

धनतेरस से भाई दूज तक देश का बाजार किसी विशाल उत्सवी रंगमंच में बदल जाता है। यहां आर्थिक स्थिति, सामाजिक वर्ग और खरीदारी की क्षमता के अनुसार हर व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ उपलब्ध है। फुटपाथ पर बैठा कुम्हार मिट्टी के दीये सजाकर ग्राहक की प्रतीक्षा करता है, तो वातानुकूलित शोरूम में करोड़ों की लग्जरी गाड़ियों की बुकिंग होती है। एक ओर दो सौ रुपये की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और झाड़ू पर मोलभाव होता है, तो दूसरी ओर सोने-चांदी के आभूषणों और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियों की खरीदारी को शुभ मुहूर्त से जोड़ दिया जाता है। यही भारतीय बाजार की खूबसूरती भी है और उसकी विडंबना भी। आस्था सबकी एक, लेकिन खरीदारी का बजट अलग-अलग!

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा अपने आप में दिलचस्प है। वर्षभर घर के किसी कोने में पड़ी रहने वाली साधारण झाड़ू इस दिन अचानक शुभता और समृद्धि का प्रतीक बन जाती है। मान्यता है कि स्वच्छता और सुव्यवस्था से लक्ष्मी का आगमन होता है। मिट्टी के दीये, पारंपरिक बर्तन और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं भी बाजार में विशेष महत्व प्राप्त कर लेती हैं। कुम्हार के हाथों से बना एक छोटा-सा दीपक केवल मिट्टी का उत्पाद नहीं, बल्कि हमारी लोककला, परंपरा और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। लेकिन बाजार की दुनिया में आस्था भी अब आकर्षक पैकेजिंग के साथ बिकने लगी है।

भारतीय सनातन संस्कृति में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार पुरुषार्थ माना गया है। यहां धन अर्जित करने का विरोध नहीं, बल्कि धन के सदुपयोग, परिश्रम और नैतिकता पर जोर दिया गया है। माता लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश का पूजन इस बात का भी प्रतीक है कि समृद्धि के साथ बुद्धि और विवेक आवश्यक हैं। लेकिन आज त्योहारों के बाजार में इस विवेक की परीक्षा होती दिखाई देती है। बाजार को पता है कि त्योहार के अवसर पर ग्राहक केवल वस्तु नहीं खरीदता, वह शुभता, प्रतिष्ठा और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी खरीदता है। इसी भावना को बिक्री की रणनीति में बदलने की कला बाजार ने खूब सीख ली है।

मध्यमवर्गीय परिवार के लिए त्योहारों की



खरीदारी किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षा से कम नहीं होती। घर से निकलते समय बजट दोपहिया वाहन का होता है, लेकिन शोरूम में आकर्षक छूट, आसान किस्तों और त्योहार विशेष प्रस्तावों का ऐसा मायाजाल बिछता है कि ग्राहक चौपहिया वाहन तक पहुंच जाता है। कभी-कभी तो बजट से बाहर निकलकर लग्जरी गाड़ी की चाबी हाथ में आ जाती है। उस समय मासिक किस्तों का गणित कुछ दिनों के लिए दिमाग से गायब हो जाता है। बाजार का कमाल देखिए, खरीदारी करते समय भविष्य की आमदनी भी वर्तमान की जेब में दिखाई देने लगती है। घर लौटते समय चेहरे पर नई गाड़ी की खुशी और मन के किसी कोने में आने वाली किस्तों की चिंता दोनों साथ-साथ चलती हैं।

इस पारंपरिक बाजार में अब एक नया और ताकतवर खिलाड़ी शामिल हो गया है, वह है डिजिटल बाजार। पहले दीपावली की खरीदारी परिवार के साथ बाजार जाकर होती थी। दुकानों की सजावट, मिठाइयों की खुशबू, दुकानदारों से परिचय और मोलभाव भी त्योहार की खुशियों का हिस्सा होते थे। अब मोबाइल की एक उंगली के स्पर्श से मिट्टी के दीये से लेकर महंगे मोबाइल और लग्जरी गाड़ियों तक की जानकारी और बुकिंग उपलब्ध है। आकर्षक छूट, सीमित समय के प्रस्ताव और मुफ्त आपूर्ति के संदेश चौबीस घंटे ग्राहक को खरीदारी के लिए प्रेरित करते रहते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विज्ञापन तो हमारी पसंद और इच्छाओं को इस तरह पहचानने लगे हैं कि जिस वस्तु को हम एक बार देख लें, वही बार-बार मोबाइल पर दिखाई देने लगती है। जूते देखने निकलिए तो जूतों के विज्ञापन पीछा करने लगते हैं, मोबाइल देखिए तो नए मॉडल खरीदने का निमंत्रण मिलने लगता है। ऐसा लगता है जैसे बाजार को हमारी जरूरतों से ज्यादा हमारी इच्छाओं और कमजोरियों की जानकारी है। पहले दुकानदार ग्राहक को बुलाता था, अब मोबाइल ग्राहक के पीछे पड़ा रहता है। त्योहारों की खरीदारी अब बाजार जाने से अधिक मोबाइल पर आने वाले संदेशों से प्रभावित होने लगी है।

इस पूरे उत्सवी माहौल में दो बिल्कुल अलग दुनिया एक साथ दिखाई देती हैं। एक तरफ सामान्य परिवार है, जो मिट्टी के दीये, मिठाई और बच्चों के कपड़ों के लिए अपना बजट बनाता है। दूसरी तरफ वह संपन्न वर्ग है, जिसके लिए शुभ मुहूर्त में महंगी गाड़ी या कीमती आभूषण खरीदना प्रतिष्ठा का विषय बन जाता है। बाजार दोनों को उनकी हैसियत के अनुसार सपने बेचता है। किसी को लगता है कि नई झाड़ू से घर की दरिद्रता दूर होगी, तो किसी को विश्वास है कि नई गाड़ी से भाग्य का पहिया और तेजी से घूमेगा। अंततः बाजार का उद्देश्य दोनों की जेब तक पहुंचना ही है।

हालांकि भारतीय त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य केवल खरीदारी और खर्च करना नहीं है। हमारी परंपराओं में दीपावली पर घर की सफाई, परिवार के साथ पूजा, बड़ों का आशीर्वाद, छोटों को स्नेह, पड़ोसियों से मेल-मिलाप और जरूरतमंदों की सहायता का विशेष महत्व रहा है। दीपदान का अर्थ केवल अपने घर को रोशन करना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश पहुंचाना है। आज आवश्यकता है कि हम त्योहारों की मूल भावना को समझें और स्थानीय कुम्हारों, छोटे दुकानदारों, हस्तशिल्पियों तथा स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करें।

आधुनिकता अपनाना गलत नहीं है और न ही आर्थिक समृद्धि का प्रदर्शन अपने आप में अनुचित है। प्रश्न केवल इतना है कि कहीं खरीदारी की होड़ में हम त्योहार का वास्तविक अर्थ तो नहीं भूल रहे हैं। महंगी गाड़ी खरीदना व्यक्तिगत सामर्थ्य का विषय हो सकता है, लेकिन दीपावली की खुशी किसी कीमती वस्तु की मोहताज नहीं है। मिट्टी का एक छोटा-सा दीपक भी उतनी ही रोशनी दे सकता है, जितनी किसी महंगे झूमर की चमक।

आखिरकार झाड़ू से बीएमडब्ल्यू तक की यह महायात्रा बदलते भारत, बदलती जीवनशैली और बाजार की बढ़ती ताकत का आईना है। बाजार के लिए त्योहार बिक्री का सबसे बड़ा अवसर हो सकते हैं, लेकिन भारतीय संस्कृति के लिए ये आस्था, सद्भाव, संस्कार और आत्मिक आनंद के पर्व हैं। इसलिए खरीदारी जरूर कीजिए, लेकिन अपनी सामर्थ्य और विवेक के अनुसार। घर में कितने दीपक जले, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे व्यवहार से कितने जीवन रोशन हुए। क्योंकि सनातन संस्कृति का संदेश यही है कि वास्तविक समृद्धि धन के प्रदर्शन में नहीं, बल्कि संतोष, सदाचार, सेवा और सामाजिक सद्भाव में बसती है।



'काश मुझे मारा न होता', विक्रांत मैसी ने 'मिर्जापुर' से बाहर होने पर जताया दुख

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुर: द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता।

जब 'मिर्जापुर: द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।'

'मिर्जापुर' के पहले सीजन का हिस्सा थे विक्रांत

इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।



क्या ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

अपने लिए सही चीजें चुनती हैं अनन्या

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या का काम

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।

नई पीढ़ी से अपील

अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। आईएएनएस ने जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''



बहन करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी बड़ी बहन करिश्मा कपूर से बेहद प्यार करती हैं और उनका बहुत सम्मान करती हैं। एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में करीना ने दिल खोलकर करिश्मा की तारीफ की थी।

एक खबर के अनुसार, करीना ने शो 'जीना इसी का नाम है' में बताया कि वह हर मामले में करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं। इसके साथ ही करीना ने कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनने की कोशिश करती हैं। उन्हें करिश्मा का आत्मविश्वास और बात करने का तरीका बेहद पसंद है।

करीना ने करिश्मा के लिए एक प्यारा सा वीडियो मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आपमें ऐसी बहुत सी बातें हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। आज के समय में ऐसी लड़कियां बहुत कम होती हैं, जो इतनी समझदार हों और जिन्हें पता हो कि लाइफ में क्या करना है।' करीना ने आगे कहा, 'मैं हर तरह से आपके जैसी बनना चाहती हूं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। मेरे साथ हमेशा खड़े रहने और मेरी ताकत बनने के लिए शुक्रिया, क्योंकि आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती।'



शो 'जीना इसी का नाम है' के दौरान होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का बचपन का एक पुराना वीडियो भी दिखाया। इस वीडियो में करिश्मा बड़े प्यार से अपनी छोटी बहन करीना को खाना खिलाती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को देखकर दोनों भावुक हो गईं।



राजकुमार हिरानी ने बताया कैसे 'प्रीतम एंड पेड्रो' में बेटे वीर को मिला रोल

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी साइबरक्राइम कॉमेडी-ड्रामा 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उनके बेटे वीर हिरानी एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। लेकिन आम स्टार-किड्स की तरह वीर के लिए यह रोल पाना आसान नहीं था। उनके पिता ने शुरू से ही साफ कर दिया था कि कोई शॉर्टकट या खास रियायत नहीं मिलेगी।



कहानी लिखते समय वीर का नाम दिमाग में नहीं था

बातचीत में राजकुमार हिरानी ने कहा कि जब यह सीरीज शुरू में बन रही थी, तब उनके बेटे का नाम कास्टिंग के लिए नहीं सोचा गया था। जब हमने लिखना शुरू किया, तो न तो अरशद और न ही वीर का नाम जहन में था। लिखते समय आप कास्ट के बारे में नहीं सोचना चाहते क्योंकि इससे आप अटक सकते हैं। उस समय वीर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा था कि ड्रामा स्कूल से वापस आओ, थिएटर करो और दिलचस्प काम करके एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाओ। घर और ऑफिस में कास्टिंग पर हो रही बातचीत को देखने के बाद ही वीर ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन उनके पिता ने तुरंत कुछ नियम तय कर दिए।

मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता

राजकुमार हिरानी ने बताया कि मैंने वीर से कहा कि अगर तुम इसके लिए ऑडिशन देना चाहते हो, तो दो। अविनाश अरुण से मिलो। उन्हें मनाओ क्योंकि वही इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता। भले ही यह मेरी सीरीज हो, तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा। यह मत सोचना कि सिर्फ मेरे बेटे होने की वजह से तुम्हें यह रोल मिल जाएगा। वीर ने इस प्रोसेस को गंभीरता से लिया। कहा जाता है कि वह हर रात एक दोस्त के साथ सीन की रिहर्सल करते थे, कई ऑडिशन टेप रिकॉर्ड करते थे और सिर्फ सबसे अच्छे टेप ही मेकर्स को भेजते थे। उन्हें यह रोल पूरी तरह से अपनी काबिलियत के दम पर मिला।



'जूही मुई' में अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं ईशा सिंह

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''



तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम है, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराजगी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिनसे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।



पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करें ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लद्धद्धद्धद्वह्लह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्वद्वद्धद्यद्वद्धद्वह्लद्वश्द्ध) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाएं

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'इह्श्द्वद्वद्द श्वद्धद्वद्व' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू,जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



कुष्ठ रोगियों के उपचार के नाम पर आवंटित शासकीय भूमि की लीज निरस्त

लीज शर्तों का उल्लंघन और भूमि का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर जिला प्रशासन ने की कार्रवाई, ग्राम नंदई स्थित 22 .90 एकड़ भूमि पुन : छत्तीसगढ़ शासन के आधिपत्य में निहित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा शासकीय भूमि के दुरूपयोग एवं लीज शर्तों के गंभीर उल्लंघन के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। ग्राम नंदई तहसील एवं जिला राजनांदगांव स्थित बहुमूल्य 22.90 एकड़ शासकीय भूमि की लीज डीड को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। उक्त भूमि कुष्ठ रोगियों के निःशुल्क उपचार एवं पुनर्वास के उद्देश्य से संस्था को लीज पर प्रदान की गई थी। जांच में भूमि का निर्धारित उद्देश्य के विपरीत व्यावसायिक उपयोग तथा लीज की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर जिला प्रशासन द्वारा विस्तृत आदेश पारित करते हुए संपूर्ण भूमि पुनः छत्तीसगढ़ शासन के आधिपत्य में निहित कर ली गई है।

जिला प्रशासन द्वारा की गई जांच में यह तथ्य सामने आया कि कुष्ठ रोगियों के निःशुल्क उपचार एवं पुनर्वास के लिए आवंटित भूमि पर मूल लीजधारी संस्था के स्थान पर अन्य संस्था का कब्जा पाया गया। संबंधित संस्था का पंजीयन वर्ष 1993 में हुआ था। जबकि लीज की शर्तों के अनुसार बिना सक्षम अनुमति के भूमि का हस्तांतरण अथवा अन्य संस्था को कब्जा सौंपना प्रतिबंधित था। इसके बावजूद लीज शर्तों का उल्लंघन करते हुए भूमि का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि संस्था द्वारा इलाज के नाम पर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया।

जांच में पाया गया कि जिस भूमि को कुष्ठ रोगियों के उपचार एवं कल्याण के लिए आरक्षित किया गया था, वहां निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप गतिविधियां संचालित नहीं की जा रही थी। संस्था की वित्तीय वर्ष 2024–25 की सीए ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार वर्षभर में औसतन मात्र 3 मरीज ही इलाजरत पाए गए। वहीं संस्था द्वारा 22.90 एकड़ के विशाल परिसर का उपयोग विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि मरीजों के उपचार के संबंध में संस्था द्वारा संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। जिला प्रशासन की जांच में यह भी पाया गया कि संस्था द्वारा भूमि पर कब्जा कर अन्य व्यक्तियों को ठेके एवं किराए पर परिसर उपलब्ध कराया गया था। लगभग 43 वर्षों से संबंधित गतिविधियों की जानकारी सक्षम प्राधिकारी को नहीं दी गई थी। जांच में इन तथ्यों को छिपाने तथा लीज की शर्तों की अवहेलना करने का मामला सामने आया।

स्वास्थ्य विभाग के प्रतिवेदन के आधार पर हुई कार्रवाई

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया कि शासन द्वारा वर्तमान में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत घर–घर जाकर तथा शासकीय अस्पतालों के माध्यम से कुष्ठ रोगियों को निःशुल्क दवाइयां एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसी स्थिति में संबंधित संस्था की आवश्यकता परिलक्षित नहीं हो रही थी। जिला प्रशासन द्वारा प्रकरण की विस्तृत जांच एवं उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के उपरांत छत्तीसगढ़ भू–राजस्व संहिता, 1959 के प्रावधानों तथा निहित प्रशासनिक अधिकारों के अंतर्गत कार्रवाई की गई। शासकीय भूमि पर लीज की शर्त क्रमांक 1 एवं 2 का प्रत्यक्ष उल्लंघन, बिना अनुमति संस्था के नाम परिवर्तन एवं कब्जा हस्तांतरण तथा व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन पाए जाने पर भूमि की लीज निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

7 दिवस के भीतर शासकीय भूमि का कब्जा प्राप्त करने के निर्देश

जिला प्रशासन द्वारा तहसीलदार राजनांदगांव को निर्देशित किया गया है कि संबंधित शासकीय अभिलेखों से संस्था का नाम हटाकर छत्तीसगढ़ शासन दर्ज किया जाए। साथ ही 7 दिवस के भीतर संपूर्ण 22.90 एकड़ भूमि का भौतिक कब्जा प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में यदि कोई कुष्ठ रोगी वर्तमान में इलाजरत है, तो उसके सुरक्षित स्थानांतरण, भोजन, आवास एवं निःशुल्क चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए गए हैं।

खास खबर

अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध आबकारी वृत्त डोंगरगढ़ फरार आरोपी की गिरफ्तारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निदेशानुसार अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि आबकारी उपनिरीक्षक डोंगरगढ़ अनिल सिंह द्वारा मुखबीर की सूचना पर मड़ीयान से झिंझारी रोड के बीच स्विफ्ट स्कार्पियो गाड़ी नंबर सीजी 04 एएच 8987 का पीछा करने पर आरोपी गाड़ी खड़ी कर फरार हो गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी के भीतर मध्यप्रदेश निर्मित शराब 5 पेटी रॉयल स्टैग, 20 पेटी बॉम्बे स्पेशल, 20 पेटी गोवा स्पिरिट कुल 45 पेटी 2250 नग पाव कुल जप्त मात्रा 405 बल्क लीटर शराब कुल अनुमानित कीमत 305000 रूपए एवं गाड़ी की अनुमानित मूल्य 50 हजार रूपए कुल जप्ती राशि 805000 रूपए आंकी गई है। फरार आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 36 एवं 59 क तहत अपराध दर्ज किया गया था। मरोदा रिसाली जिला दुर्ग निवासी फरार आरोपी संजय लाल पारधी गिरफ्तार कर 13 दिवस के रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा सभी वृत्त प्रभारियों को होटल–ढाबों की नियमित जांच और अवैध मदिरा विक्रय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव। बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती प्रीति नागवंशी उपस्थित थी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह शून्यीकरण की विधिक प्रक्रिया एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यशाला में कंसल्टेंट यूनिसेफ महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर शशांक शर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह की रोकथाम केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रशासन, पुलिस, शिक्षा विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं, मितानिनों, सामाजिक संगठनों एवं समुदाय की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की भूमिका ग्राम पंचायत स्तर पर बाल विवाह के विरूद्ध जनजागरूकता, ग्राम सभाओं में इस विषय पर चर्चा करना तथा ग्राम स्तर पर होने वाले विवाहों की जानकारी एवं निगरानी में सहयोग करना है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपा शाह द्वारा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु प्रतिभागियों को अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करने, प्रत्येक ग्राम सभा में बाल विवाह के मुद्दे पर चर्चा करने तथा सभी पंचायतों में विवाह पंजी अनिवार्य रूप से संधारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानानुसार 21 वर्ष से कम आयु के पुरूष तथा 18 वर्ष से कम आयु की महिला का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कम उम्र में विवाह होने से विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा बाधित होती है तथा उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करनेए सुरक्षित वातावरण में रहने, अपने व्यक्तित्व का विकास करने तथा सम्मानपूर्वक बचपन जीने का अधिकार है। इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग को बाल विवाह के विरूद्ध जागरूक करना, परिवारों को समझाइश देना तथा बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सामुदायिक बैठकों के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के कानूनी एवं सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया जाना महत्वपूर्ण है।

विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए गए निर्देश

शिव वाटिका और पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में पब्लिक गार्डन की योजना का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा



कवर्धा शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुंदर और नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाने के उद्देश्य से शहर में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न निमार्णाधीन एवं प्रस्तावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति, निर्माण की प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल के सामने प्रस्तावित शिव वाटिका के स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल की उपलब्धता और प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में प्रस्तावित पब्लिक गार्डन के स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक स्थल और हरियाली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन स्थलों के विकास की योजना को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने नगर पालिका कार्यालय के सामने निमार्णाधीन चौपाटी का निरीक्षण किया। लगभग सवा दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह चौपाटी निर्माण के अंतिम चरण में है। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। चौपाटी के विकसित होने से शहरवासियों को खानपान और परिवार के साथ समय बिताने के लिए एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकेगा।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने राजनांदगांव बायपास से नवीन बाजार तक लगभग 10.73 करोड़ रुपये की लागत से निमार्णाधीन गौरव पथ का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण की प्रगति और संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। गौरव पथ के निर्माण से शहर की यातायात व्यवस्था और आवागमन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर ने समनापुर स्थित पुराने एसएलआरएम (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की वर्तमान स्थिति और संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

शहर में स्थापित गौधाम का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने गोवंश के लिए चारा और घास की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आसपास के गांवों में उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन कर उसे घास उत्पादन के लिए आरक्षित कराया जाए। इससे गौधाम सहित गांवों में गोवंश के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गौसेवा के कार्यों में रुचि रखने वाले इच्छुक गौसेवक भी इस पहल से जुड़कर अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए गांवों में उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग करते हुए घास उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि गौवंश के लिए चारे की व्यवस्था निरंतर बनी रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि शहर के विकास से जुड़े सभी प्रस्तावित और निमार्णाधीन कार्यों को नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाया जाए। सार्वजनिक स्थलों के विकास, बेहतर सड़क सुविधा, स्वच्छता व्यवस्था और गौवंश संरक्षण से जुड़े कार्यों में विभागीय समन्वय के साथ तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम चेतन साहू, नगर पालिका सीएमओ नारायण साहू उपस्थित रहे।

अब मोबाइल एप से मिलेगा खाद, टोकन और क्यूआर कोड से होगा उर्वरक वितरण

जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरक पारदर्शी, सुगम और निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को मोबाइल एप से जनरेट टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद का वितरण किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में इस प्रणाली के तहत उर्वरक का उठाव प्रारंभ हो गया है। नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को एफएफएस मोबाइल एप में अपनी कृषि भूमि का रकबा और बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। इसके बाद आवश्यक उर्वरक की मात्रा और विक्रेता का चयन कर टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकेंगे। किसान अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से खाद ले सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था से उर्वरक की मांग, उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और वितरण का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन संधारित होगा। इससे किसानों को खाद प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमित वितरण पर प्रभावी नियंत्रण करने में भी मदद मिलेगी। उप संचालक कृषि ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों की आवश्यकता के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना तथा खाद वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

कवर्धा के किसान को मुख्यमंत्री ने भेजा दीपावली का संदेश, सौर ऊर्जा की पहल को सराहा

मुख्यमंत्री ने किसान ओंकार साहू को भेजी विष्णु के पाती , सूर्य घर योजना से बिजली बिल शून्य, घर की जरूरत से अधिक बिजली का हो रहा उत्पादन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से दीपावली पर मिला आत्मीय संदेश किसान ओंकार साहू के परिवार के लिए खास बन गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने वाले कवर्धा के रामनगर निवासी ओंकार साहू को मुख्यमंत्री ने विष्णु का पाती भेजकर शुभकामनाएं दी हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने खेती–किसानी के साथ सौर ऊर्जा अपनाने की उनकी पहल की सराहना करते हुए इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएम सूर्य घर योजना से सौर ऊर्जा का लाभ परिवारों तक पहुंच रहा है। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग न केवल आर्थिक बचत करता है, बल्कि आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में भी सहायक है। उन्होंने ओंकार साहू के परिवार की सुख–समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

खेती–किसानी से जुड़े ओंकार साहू ने 28 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके लिए उन्होंने कुल 1 लाख 90 हजार रुपये खर्च किए, जिसमें उन्हें 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का हर महीने लगभग 1 हजार से 1500 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं और उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।

ओंकार साहू ने बताया कि सोलर पैनल से घर की जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। उपयोग के बाद बची बिजली विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है। इस अतिरिक्त बिजली के बदले अब तक करीब 9 हजार रुपए का आर्थिक लाभ मिल चुका है। यानी अब वे केवल बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ता नहीं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को देने वाले उत्पादक भी बन गए हैं।

ओंकार साहू का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उनके परिवार के लिए काफी लाभकारी साबित हुई है। पहले जहां हर महीने बिजली बिल के रूप में राशि खर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब बिजली बिल शून्य हो गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाना आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का ह्यविष्णु का पातीह्न मिलना उनके लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत विशेष जागरूकता और जनभागीदारी शिविर हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा तुमड़ीबोड़ के क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव द्वारा डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम ढाबा के पंचायत परिसर में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत विशेष जागरूकता एवं जनभागीदारी शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के डीजीएम प्रदीप गोंधुले उपस्थित थे। शिविर में 100 से अधिक ग्रामीणों एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, रे–केवायसी एवं सीकेवायसी, मनी म्यूल से संबंधित साइबर वित्तीय जागरूकता, बैंक खातों में नॉमिनेशन की आवश्यकता एवं महत्व सहित अन्य शासकीय सामाजिक सुरक्षा योजनाएं एवं बैंकिंग सुविधाएं की जानकारी दी गई।



शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से अधिकाधिक जुड़ने, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने, अपने बैंक खातों की केवायई पूर्ण रखने तथा सुरक्षित डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष सिंह, क्षेत्रीय कार्यालय से एफआई (वित्तीय समावेशन) मैनेजर अरविंद द्विवेदी एवं अनिल रजक, शाखा प्रबंधक तुमड़ीबोड़ ग्रामीण बैंक अमित कुमार एवं अधिकारी मयंक कुमार, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, अन्य जनप्रतिनिधि तथा बैंककर्मी उपस्थित थे।

अभियान

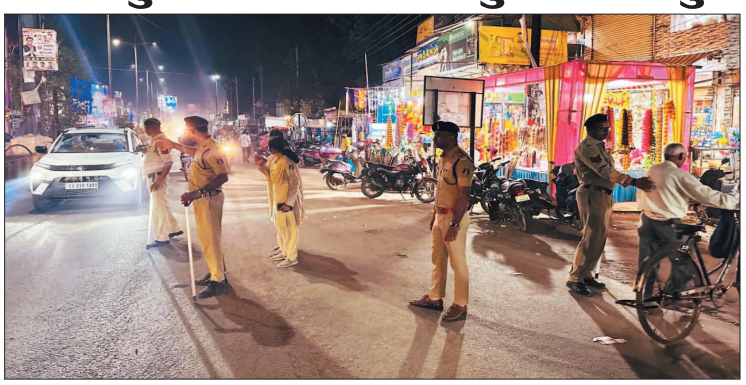
थाना व चौकी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के साथ ही ग्रामीण अंचलों से बाजार पहुंचने वाले आम नागरिकों व ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल किया तैनात

त्योहारी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुचारू रखने पुलिस जवानों की लगाई गई ड्यूटी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

दीपावली पर्व के मद्देनजर जिले में शांति, सुरक्षा एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में प्रमुख चौक–चौराहों, बाजारों, हाट–बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई है।

जिला मुख्यालय बेमेतरा सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के साथ ही ग्रामीण अंचलों से बाजार पहुंचने वाले आम नागरिकों एवं ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस जवानों द्वारा लगातार निगरानी रखते हुए भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि त्योहारी खरीदारी के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बेमेतरा पुलिस की व्यापारियों से अपील है कि दुकानों का सामान सड़क एवं फुटपाथ पर न फैलाएं तथा निर्धारित सीमा में ही दुकान संचालित करें। सड़क पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित न करें।



वाहन चालकों से अपील है कि निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा करें, नो–पार्किंग क्षेत्र में वाहन पार्क न करें तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट एवं सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। शराब अथवा किसी अन्य नशीले पदार्थ के सेवन के बाद वाहन न चलाएं।

आम नागरिकों से अपील है कि बाजार में अनावश्यक भीड़ एवं जाम से बचने के लिए यथासंभव पैदल अथवा दोपहिया वाहन से आवागमन करें। बुजुर्गों एवं बच्चों का विशेष ध्यान रखें तथा अपने कीमती सामानों के प्रति सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा लावारिस वस्तु की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100 अथवा डायल–112 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बेमेतरा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि दीपावली पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं आनंदमय बनाने के लिए यातायात नियमों एवं पुलिस प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें तथा पुलिस प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। बेमेतरा पुलिस की ओर से समस्त जिलेवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाई

वनांचल में नग्न अवस्था में मिला था युवक का शव, गांजा तस्करी के वर्चस्व और बदले की आग में हुई थी हत्या

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार-भाटापारा



पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल नेतृत्व में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने एक बेहद सनसनीखेज और पेचीदा अंधे कत्ल का खुलासा किया है। चौकी बया के वनांचल क्षेत्र में पूर्णतः नग्न अवस्था में मिले अज्ञात युवक के शव की गुत्थी को पुलिस ने न सिर्फ सुलझाया, बल्कि इस हत्याकांड के पीछे के अंतरराजिला गांजा तस्कर नेटवर्क को भी बेनकाब कर दिया।

गौरतलब है कि मृतक का बलौदाबाजार जिले से कोई संबंध नहीं था, जिसके कारण उसकी पहचान तक करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी गौरव राय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा के मार्गदर्शन और उप पुलिस अधीक्षक (कैप कसडोल) कौशल किशोर वासनिक के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था।

31 अक्टूबर 2026 को पुलिस चौकी बया (थाना राजादेवरी) क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुरुमडीह और रायतुंम के बीच जंगली रास्ते में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। मृतक की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष थी और उसका शव पूर्णतः नग्न अवस्था में पड़ा था। सीने और शरीर पर धारदार हथियार से किए गए गहरे घाव थे। मृतक के सीने पर अंग्रेजी में 'KP' तथा हाथों पर टैटू बने हुए थे। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला पाए जाने पर चौकी बया, थाना राजादेवरी में अपराध क्रमांक 101/2026 धारा 103(1), 238(क), 61(2), 249 बीएनएस एवं 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गांजा तस्करी का वर्चस्व और पिता के बदले की साजिश बनी हत्या की वजह : विवेचना और आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी और मृतक सभी गांजा के अवैध कारोबार से जुड़े थे। वर्चस्व और पुरानी रंजिश को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा था। इसी दौरान अक्टूबर माह में मुख्य साजिशकर्ता अमरजीत सिंह सोनी के पुत्र शिवा की हत्या हो गई थी।

पुलिस के अनुसार, अपने पुत्र की हत्या का प्रतिशोध लेने के लिए अमरजीत सिंह सोनी ने करन डोंगरे उर्फ केपी की हत्या की योजना बनाई और अन्य आरोपियों को सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया।

महासमुंद में काम दिलाने के बहाने बुलाकर की हत्या: आरोपियों में से एक की मृतक से पहले से जान-पहचान थी। उसी ने मृतक को महासमुंद क्षेत्र में काम दिलाने का झांसा दिया। योजना के तहत मृतक को संबलपुर क्षेत्र से केआईए कार में बैठाकर लाया गया, जबकि अन्य आरोपी वैगनआर कार से निगरानी करते हुए आगे-पीछे चल रहे थे। दोनों वाहन पटेवा क्षेत्र में एकत्र हुए और मृतक को चौकी बया के सुनसान वनांचल में ले जाकर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। साक्ष्य मिटाने और पहचान छिपाने के लिए मृतक के कपड़े उतारकर शव को निर्वस्त्र अवस्था में फेंक दिया गया।

पुलिस को गुमराह करने की कोशिश, एआई और सीसीटीवी से पकड़ाए : वारदात के बाद आरोपियों ने पुलिस को भ्रमित करने के लिए वैगनआर कार को रायपुर और नया रायपुर के अंदरूनी मार्गों पर घुमाया, जबकि केआईए कार पटेवा से नेशनल हाईवे होते हुए संबलपुर की ओर निकल गई। लेकिन बलौदाबाजार पुलिस ने अत्याधुनिक तकनीक से इस चाल को नाकाम कर दिया।

बया से लेकर पटेवा, नया रायपुर, सरायपाली और रायपुर-दुर्ग नेशनल हाईवे व टोल प्लाजा तक 1000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। संदिग्ध वाहनों के मूवमेंट के पैटर्न को मिलाने के लिए एआई टूल्स का उपयोग किया गया, जिससे दोनों कारों की पहचान हुई। घटनास्थल पर मिले दो अलग-अलग वाहनों के टायरों के निशान से फॉरेंसिक पुष्टि हुई। डिजिटल फुटप्रिंट और अंतरजिला समन्वय से मृतक की पहचान करन डोंगरे उर्फ केपी (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई। केआईए कार के मूवमेंट के आधार पर पहले एक आरोपी को पकड़ा गया। उससे मिली जानकारी पर पता चला कि शेष आरोपी दुर्ग नगर में छिपे हैं। दुर्ग पुलिस के सहयोग से बलौदाबाजार पुलिस ने वहां कैंप कर घेराबंदी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी में मोह. अनस असरफी (22), निवासी मोवा, थाना पंडरी, रायपुर, सैय्यद अल्ताफ अली उर्फ फरजान (24), निवासी मोवा, थाना पंडरी, रायपुर, राज यादव उर्फ सांई (18), निवासी कर्मचारी नगर, थाना मोहन नगर, दुर्ग, राहुल दास मानिकपुरी (19), निवासी उरला बॉम्बे आवास, थाना मोहन नगर, दुर्ग, अमरजीत सिंह सोनी (47), निवासी उरला बॉम्बे आवास, थाना मोहन नगर, दुर्ग है। इसके अलावा 2 विधि से संघर्षरत बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपियों से जप्त सामग्री में पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू, वैगनआर कार क्रमांक सीजी 07 सीई 3638, केआईए कार क्रमांक सीजी 04 क्यूबी 5060 और एक स्कूटी जब्त की है। सभी आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी हत्या और मादक पदार्थ तस्करी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

रायगढ़ में झाड़-फूंक के नाम पर महिला से दुष्कर्म, 6 लाख की ठगी



नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले में अंधविश्वास के नाम पर महिला के साथ दुष्कर्म और आर्थिक ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घरघोड़ा पुलिस ने झाड़-फूंक से शादी की बाधा दूर करने और बीमारी ठीक करने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी चंद्र कुमार जायसवाल और उसकी महिला सहयोगी गायत्री मानिकपुरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

मामले का खुलासा 5 नवंबर 2026 को हुआ, जब 40 वर्षीय अविवाहित पीड़िता निवासी लैलूंगा ने थाना कोतवाली रायगढ़ में शिकायत दर्ज कराई। घटना स्थल घरघोड़ा थाना क्षेत्र का होने से प्रकरण को थाना घरघोड़ा स्थानांतरित कर अपराध क्रमांक 334/2026 धारा 64, 61(2), 49, 123 एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

परिचित के माध्यम से संपर्क में आया आरोपी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मार्च 2026 में एक परिचित महिला के माध्यम से उसकी मुलाकात चंद्र कुमार जायसवाल से हुई थी, जो खुद को हाथ देखकर भविष्य बताने वाला और झाड़-फूंक से इलाज करने वाला बताता था। पीड़िता ने अपनी शारीरिक परेशानी और विवाह नहीं होने की समस्या उसे बताई, जिस पर आरोपी ने पूजा-पाठ से सब ठीक करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद दोनों के बीच मोबाइल पर लगातार बातचीत होने लगी।

पूजा के बहाने बुलाकर पिलाया नशीला पदार्थ

पुलिस के अनुसार, 8 मार्च 2026 को आरोपी ने पीड़िता को रायगढ़ रोड घरघोड़ा स्थित अपने किराए के मकान में बुलाया। वहां पहले से मौजूद महिला सहयोगी गायत्री मानिकपुरी को आरोपी ने पूजा कराने वाली महिला बताया। गायत्री ने पीड़िता से पूजा के लिए सामग्री मंगवाई और नहाकर गीले कपड़ों में पूजा स्थल पर आने को कहा, साथ ही भरोसा दिलाया कि वह स्वयं वहीं मौजूद रहेगी।

पीड़िता का आरोप है कि पूजा के दौरान आरोपी ने अभिमंत्रित जल बताकर उसे पानी पिलाया, जिसमें नींद की दवा मिली हुई थी। पानी पीने के बाद वह बेहोश हो गई और इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर विरोध करने पर आरोपी ने इसे विवाह बाधा दूर करने की प्रक्रिया बताया।

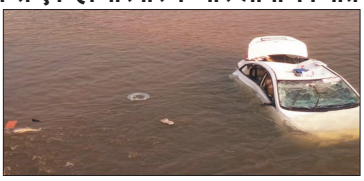
पूजा और बिजनेस के नाम पर 6 लाख वसूले

पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने पूजा-पाठ के नाम पर पहले 4 हजार, फिर 12 हजार रुपये लिए और बाद में वेस्टिज कंपनी में काम दिलाने के नाम पर अलग-अलग बहानों से कुल करीब 6 लाख रुपये वसूल लिए। शिकायत करने की बात कहने पर उसे डराया-धमकाया भी गया।

विवेचना में सामने आया कि आरोपी चंद्र कुमार जायसवाल (45 वर्ष), निवासी टांडीपार, थाना सारंगढ़, हाल मुकाम लैलूंगा और उसकी सहयोगी गायत्री मानिकपुरी उर्फ गायत्री महंत (39 वर्ष), निवासी गेरसा, थाना धरमजयगढ़ पूर्व में प्रेम संबंध में थे और दोनों ने मिलकर इस पूरी साजिश को रचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन और एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के सुपरविजन में थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू, सहायक उप निरीक्षक खेमराज पटेल की टीम ने दोनों आरोपियों को 8 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

दिवाली मनाने गांव जा रहा परिवार हादसे का शिकार, टीला एनीकट में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नई दृष्टिबिंदु / गोबरा नवापारा



त्योहार की खुशियां मनाने अपने गृहग्राम जा रहे एक परिवार पर काल बनकर टूटा हादसा। रायपुर से पसौद जा रही कार के अनियंत्रित होकर टीला एनीकट में गिर जाने से एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, रायपुर लक्ष्मीनगर निवासी साहू परिवार दीपावली मनाने अपने गृहग्राम पसौद जा रहा था। देर रात करीब 1 बजे जब उनकी कार टीला एनीकट के पास पहुंची, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे नदी में जा समाई। हादसे में कार सवार शीतल साहू (44 वर्ष), उनकी पत्नी भारती साहू और उनके बेटे-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रात का समय होने के कारण हादसे की जानकारी तुरंत नहीं मिल सकी।

सूचना मिलते ही गोबरा नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से कार को नदी से बाहर निकाला गया और चारों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एक साथ चार मौतों से साहू परिवार और पसौद गांव में शोक की लहर है। दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। गोबरा नवापारा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिलाई नगर निगम के जोन-5 कार्यालय में दीपावली की रात भीषण आगजनी

कई महत्वपूर्ण दस्तावेज खाक, आग लगी या लगाई गई, जांच में जुटी पुलिस, प्राथमिकी दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



दीपावली की रात शहर में उस समय हड़कंप मच गया, जब भिलाई नगर निगम के जोन-5 कार्यालय सेक्टर-6 में भीषण आग लग गई। रात करीब 9 बजे हुई इस आगजनी की घटना में निगम के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, दीपावली के कारण कार्यालय बंद था और कर्मचारी अवकाश पर थे। इसी दौरान अचानक कार्यालय से धुआं उठता देखा गया। देखते ही देखते आग ने पूरे कार्यालय को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन तब तक कार्यालय में रखा रिकॉर्ड जल चुका था।

साजिश की आशंका, शहर में चर्चा तेज : यह आग हादसा है या सोची-समझी साजिश के तहत लगाई गई है, यह अभी जांच का विषय है। दीपावली की रात सुनसान कार्यालय में आग लगने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जानबूझकर नष्ट करने के लिए आग लगाई गई? इस घटना को लेकर आज सुबह से ही शहर में जगह-जगह चर्चा का दौर जारी है।

पुलिस ने शुरू की जांच: नगर निगम भिलाई प्रशासन की ओर से इस मामले में सेक्टर-6 कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम और निगम के अधिकारी भी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

जशपुर में 6 साल के पहाड़ी कोरवा मासूम की हत्या कर निकाले अंग

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर



जिले के सन्ना थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। 6 साल के पहाड़ी कोरवा आदिवासी मासूम जितेन्द्र राम की बेरहमी से हत्या कर उसके शरीर से अंग निकालने के मामले में पुलिस ने उसके ही रिश्ते के भाई को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बासुदेव उर्फ टंगनू (27 वर्ष), पिता अमृत, निवासी ग्राम चलनी गोरार्पाठ के रूप में हुई है, जो रिश्ते में मृतक के पिता का ममेरा भाई लगता है।

7 नवंबर को लापता हुआ था मासूम : पुलिस के अनुसार, प्रार्थी रामजीत राम करीब एक साल पहले मजदूरी करने के लिए अपने परिवार के साथ सन्ना आया था और आमटचुआ नदी डेम के पास बनी झोपड़ी में रहता था। 7 नवंबर को उसके 6 साल के बेटे जितेन्द्र राम के लापता होने की रिपोर्ट सन्ना थाने में दर्ज कराई गई थी।

परिजनों ने बताया कि आखिरी बार बच्चे को आरोपी बासुदेव के साथ खेत की ओर जाते देखा गया था। काफी तलाश के बाद भी बच्चे का पता नहीं चला। अगले दिन सुबह परिजन दोबारा तलाश में निकले तो सन्ना गांव के एक खेत में मक्का बाड़ी की मेड़ के पास पानी भरे गड्ढे में एक बोरी दिखाई दी। बोरी खोलने पर अंदर कंबल और गोधड़ी में लिपटा जितेन्द्र का शव मिला, जिसे मिट्टी से दबाया गया था।

जल्दी अमीर बनने के लिए रची साजिश : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संदेह के आधार पर बासुदेव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खेत में सब्जी उगाने का काम करता था और मजदूरी से मिलने वाले पैसों से संतुष्ट नहीं था। कम समय में ज्यादा पैसा कमाने के लिए वह सोशल मीडिया पर तरीके खोजता रहता था। इसी दौरान उसके मन में बच्चों के शरीर के अंग बेचकर पैसा कमाने का ख्याल आया और उसने वारदात की योजना बनाई।

बहलाकर ले गया, शराब पिलाकर की हत्या : पुलिस के मुताबिक, आरोपी मासूम को बहला-फुसलाकर गुलाम अंसारी के खेत में बनी झोपड़ी में ले गया। वहां से महानदी डेम के पास और जंगल की ओर घुमाया। फिर सन्ना खुटाटांगर से शराब और मुर्गा खरीदकर लाया। झोपड़ी में वापस आकर आरोपी ने बच्चे को भी शराब पिला दी। जब मासूम नशे में सो गया, तो आरोपी ने धारदार चाकू से उसका गला रेतकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने शव के साथ क्रूरता करते हुए शरीर से कई अंग निकालकर प्लास्टिक की बाल्टी में रख दिए और शव को कंबल में लपेटकर बोरी में भरकर खेत के पानी भरे गड्ढे में दफना दिया। वारदात में प्रयुक्त चाकू, फावड़ा और बाल्टी को भी उसने बांस के झुरमुट के पास गड्ढा खोदकर छिपा दिया था।

पुलिस ने जब्त किए साक्ष्य, आरोपी जेल भेजा गया : आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मासूम का शव, हत्या में प्रयुक्त चाकू, फावड़ा, प्लास्टिक की बाल्टी में रखे अंग और आरोपी का मोबाइल फोन जब्त किया है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की विवेचना कर रही है।

कबाड़ी दुकान में लगी भड़की भीषण आग

जगदलपुर। जगदलपुर में सोमवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कबाड़ी दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते दुकान से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं और धुएं का गुबार देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शहर की व्यस्त गीदम रोड पर स्थित 'भुवन स्क्रैप शॉप' में हुई। सोमवार रात को, स्क्रैप के ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे स्क्रैप स्टॉक को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान से उठती ऊंची लपटों को देखकर, स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया। केमिस्ट्री बुक्स लें दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को आसपास की दुकानों और इमारतों तक फैलने से रोक दिया।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100